www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 105 || लखनऊ
बुधवार
15 जुलाई 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:22
सूर्यास्तः 07:02
अधिकतमः 34°00
न्यूनतमः 28°00

पेज 07

विशेष समाचार एक युग का अवसान एक... >>पेज 04 | साधक की जीवनभर की कमाई ... >>पेज 06 | 'फालतूगिरी मत करना'...

कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता, सीबीएसई ने इसी सेशन पॉलिसी लागू की

सुप्रीम कोर्ट का 3 लैंग्वेज पॉलिसी पर रोक से इनकार

आदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) की थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी भी भाषा का ज्ञान व्यक्ति के लिए हमेशा उपयोगी होता है और नई भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता। हालांकि, कोर्ट ने इस नीति को लागू करने में सामने आ रही व्यावहारिक चुनौतियों को गंभीरता से लेते हुए केंद्र सरकार और CBSE को 10 दिनों के भीतर विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई अब 29 जुलाई को होगी। CBSE ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 से नई थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी लागू कर दी है। इस नीति के लागू होने के बाद कई राज्यों, अभिभावकों और शिक्षाविदों के बीच इसे लेकर चर्चा तेज हो गई है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि CBSE ने पर्याप्त तैयारी किए बिना नई भाषा नीति लागू कर दी है। उनके अनुसार अधिकांश स्कूलों में नई भाषाओं को पढ़ाने के लिए प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी है। कई स्थानों पर संबंधित भाषाओं की पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध नहीं हैं और आवश्यक शैक्षणिक संसाधनों का भी अभाव है।

याचिका में कहा गया है कि अचानक नई व्यवस्था लागू होने से छात्रों को अपनी वर्षों से पढ़ी जा रही भाषा बदलनी पड़ सकती है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होगी। शिक्षकों पर भी अतिरिक्त बोझ बढ़ेगा। इसका उद्देश्य भारत की शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी की जरूरतों के अनुसार ढालना है, ताकि छात्र व्यावहारिक ज्ञान मिले और वे स्किल सीखें।

कोर्ट ने तुरंत रोक लगाने से किया इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीएसई की इस नीति पर तत्काल रोक लगाने से साफ इनकार कर दिया है. अदालत का कहना है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के तहत लाई गई इस व्यवस्था पर विस्तृत सुनवाई पूरी होने के बाद ही रोक लगाने या न लगाने का कोई आदेश दिया जा सकता है. हालांकि, सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह जरूर कहा कि कोई भी नई भाषा सीखना कभी व्यर्थ नहीं जाता है.

आगे क्या होगा?

अब केंद्र सरकार और CBSE अदालत के सामने यह स्पष्ट करेंगे कि नई भाषा नीति लागू करने के लिए शिक्षकों की उपलब्धता, पाठ्यपुस्तकों, प्रशिक्षण और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर क्या कदम उठाए गए हैं। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट 29 जुलाई को अगली सुनवाई में मामले पर आगे की कार्रवाई तय करेगा।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी भी भाषा का अध्ययन व्यक्ति के ज्ञान और व्यक्तित्व का विस्तार करता है। अदालत ने फिलहाल नीति पर रोक लगाने से इनकार करते हुए कहा कि पहले सरकार और सीबीएसई का पक्ष भी सुना जाना जरूरी है। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि नीति लागू करने के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई हैं या नहीं।

34 साल बाद नई शिक्षा नीति 2020 लाई गई

नई शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) को भारत सरकार ने 29 जुलाई, 2020 को मंजूरी दी थी। यह 34 साल बाद भारत की शिक्षा नीति में एक बड़ा बदलाव है। इससे पिछली नीति 1986 में बनाई गई थी, जिसे 1992 में अपडेट किया गया था।

इसका उद्देश्य भारत की शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी की जरूरतों के अनुसार ढालना है, ताकि छात्र व्यावहारिक ज्ञान मिले और वे स्किल सीखें। नई शिक्षा नीति लागू करने के लिए केंद्र ने 2030 तक का लक्ष्य रखा है। शिक्षा संविधान में समवर्ती सूची का विषय है, जिसमें राज्य और केंद्र सरकार दोनों का अधिकार होता है। इसलिए यह जरूरी नहीं कि राज्य सरकारें इसे पूरी तरह अप्लाई करें। टकराव होने पर दोनों पक्षों को आम सहमति से विवाद सुलझाने का सुझाव दिया गया है।

हुरून रियल एस्टेट रिच लिस्ट में गौतम अडाणी नंबर-1

नई दिल्ली। भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में साल 2026 में बड़ा उलटफेर हुआ है। ग्रोहे-हुरून इंडिया रियल एस्टेट रिच लिस्ट में गौतम अडाणी और उनका परिवार पहली बार नंबर-1 पोजीशन पर पहुंच गया। अडाणी प्रॉपर्टीज की वैल्यू में इस साल 38,000 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई है। साथ ही उन्होंने इस मामले में डीएलएफ के राजीव सिंह को पीछे छोड़ दिया है। 2026 की ग्रोहे-हुरून इंडिया रियल एस्टेट 150 रिपोर्ट के मुताबिक, अडाणी प्रॉपर्टीज इस साल भारतीय रियल एस्टेट सेक्टर में सबसे ज्यादा वैल्यू जोड़ने वाली कंपनी बनकर उभरी है। सालाना आधार पर कंपनी की वैल्यूएशन 72.5% बढ़कर 90,400 करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। अहमदाबाद बेस्ड यह कंपनी चार पायदान की छलांग लगाकर देश की चौथी सबसे वैल्युएबल रियल एस्टेट कंपनी बन गई है। इसके साथ ही यह भारत की सबसे वैल्यूएबल अनलिस्टेड रियल एस्टेट डेवलपर भी बनी हुई है।

धार भोजशाला परिसर के पास हर शुक्रवार नमाज होगी

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- मुस्लिम पक्ष को अलग जगह दें

आदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

धार। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को धार भोजशाला मंदिर के पास नमाज के लिए कोई खुला स्थान देने को कहा है। कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि हर शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज के लिए यह जगह दी जाए। अदालत ने यह भी कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) बिना कोर्ट की मंजूरी परिसर में किसी भी तरह का बदलाव न करे। सुप्रीम कोर्ट MP हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें परिसर को मंदिर करार दिया गया है। सुनवाई के बाद भोजशाला संयोजक गोपाल शर्मा ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार भोजशाला में नियमित पूजा-अर्चना जारी रहेगी। वहीं, तय जगह पर मुस्लिम समुदाय के लोग नमाज अदा कर सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला परिसर को लेकर मुस्लिम पक्षों की याचिकाओं पर नोटिस जारी किया है। इन याचिकाओं में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें भोजशाला को मां सरस्वती का मंदिर माना गया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

वांगचुक 17 दिन से अनशन पर, 8.5केजी वजन घटा

कॉकरोच जनता पार्टी बोली- सरकार बेपरवाह, उद्धव-महुआ और अखिलेश की भूख हड़ताल खत्म करने की अपील

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल का मंगलवार को 17वां दिन है। उनकी सेहत लगातार बिगड़ रही है। वजन 8.5kg कम हो गया है। अनशन शुरू होने पर वजन 67 किग्रा था। वांगचुक नीट पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी के मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर 28 जून से अनशन कर रहे हैं। रत्ना पाठक शाह, राइटर अरुंधति रॉय समेत कई प्रमुख हस्तियों ने सोनम से अनशन खत्म करने की अपील की है।

सोनम के अनशन पर नेताओं-फिल्मी हस्तियों की प्रतिक्रिया

सपा चीफ अखिलेश यादव– जिस भाजपा सरकार को वह अपने आमरण अनशन से जगाने की कोशिश कर रहे हैं, वह सिद्धांतहीन और भ्रष्ट व्यवस्था बन चुकी है। इतनी निर्मम सरकार के लिए किसी का भी बलिदान मायने नहीं रखता।

पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल– मैं 16 जुलाई शाम 5 बजे जंतर–मंतर जाकर सोनम वांगचुक और CJP के प्रदर्शनकारियों से मुलाकात करूंगा और अपना समर्थन दूंगा।

TMC **नेता महुआ मोइत्रा**– आपके उपवास ने युवाओं को एकजुट कर दिया है। सरकार को आपके या करोड़ों युवाओं के जीवन की परवाह नहीं है। आपका जीवन हमारे लिए मायने रखता है। अनशन बंद करें और लड़ाई जारी रखें।

CJP **फाउंडर अभिजीत दीपके**– उनकी मसल्स कमजोर होने लगी हैं। सब की तरह मैंने भी उनसे अनशन खत्म करने की रिक्वेस्ट की है। उन्होंने कहा– 'मुझसे अनशन खत्म करने के लिए मत कहो। सरकार से पूछो कि वह बातचीत क्यों नहीं कर रही है।'

फास्ट न्यूज

हिमाचल में कमजोर पड़ा मानसून, तापमान में उछाल

शिमलाहिमाचल की राजधानी शिमला समेत राज्य के अधिकांश भागों में आज (मंगलवार को) दिनभर धूप खिली रही। इससे तापमान में उछाल दर्ज किया गया है। ऊना का पारा 36.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। राज्य के 11 शहरों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस पार हो गया है। प्रदेश में तीन दिन से मौसम साफ और धूप खिली हुई है।

नासिक में पर्यटकों पर हमला, 20किमी तक पीछा किया

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में घूमने गए पर्यटक परिवार पर मनचलों ने हमला कर दिया। आरोपियों ने परिवार की लड़की से छेड़छाड़ की थी। परिवार ने इसका विरोध किया तो 8–10 युवकों ने उन्हें घेर लिया। परिवार किसी तरह कार से वहां से भागा। इसके बाद आरोपियों ने बाइकों से कार का करीब 20 किलोमीटर तक पीछा किया और लाठी–डंडों, रॉड और बेसबॉल स्टिक से उन पर जानलेवा हमला किया और चलती कार में तोड़फोड़ की। परिवार ने किसी तरह जान बचाई। वारदात रविवार शाम की है। इस मामले में पुलिस ने लूट, हत्या के प्रयास और छेड़छाड़ का केस दर्ज कर 8 युवकों को अरेस्ट किया है।

हाफिज सईद के खिलाफ जम्मू कोर्ट से गैर-जमानती वारंट जारी

श्रीनगर। जम्मू की स्पेशल कोर्ट ने मंगलवार को लश्कर-ए-तैयबा चीफ हाफिज सईद के खिलाफ पहलगाम केस में गैर-जमानती वारंट जारी किया। कोर्ट ने कहा कि निष्पक्ष जांच के लिए हाफिज को हिरासत में लेकर पूछताछ करनी होगी। कोर्ट ने 8 जुलाई को आदेश जारी किया था।

लॉरेंस गैंग पर अमेरिकी एक्शन का भारत ने किया समर्थन

एमइए ने कहा-दोनों देश रोकेंगे ग्लोबल काइम

तमसा संकेत, एजेंसी

जालंधर। अमेरिका द्वारा हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके सहयोगी गोल्डी बराड़ पर आरोप लगाए जाने के बाद भारत सरकार की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया है कि भारत हमेशा से ही अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध, आतंकवाद और नशीली दवाओं की तस्करी जैसी वैश्विक चुनौतियों के खिलाफ रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे आपराधिक नेटवर्क समाज के लिए एक बेहद गंभीर खतरा हैं और इनसे निपटने के लिए भारत-अमेरिका की एजेंसियां सालों से आपसी तालमेल के साथ बेहद मजबूत सहयोग कर रही हैं। हाल ही में अमेरिकी न्याय विभाग ने अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध नेटवर्क के खिलाफ बड़ी घोषणाएं की हैं। इन घोषणाओं के तहत भारत के कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और कनाडा में छिपे उसके साथी गोल्डी बराड़ पर खालिस्तानी समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का गंभीर आरोप लगाए गए हैं। अमेरिका में कानून लागू करने वाली एजेंसियों के इस बड़े कदम के बाद पूरी दुनिया का ध्यान इस हाई-प्रोफाइल मामले की ओर खिंचा है।

होर्मुज में जहाजों को निशाना बनाना बंद हो : भारत

भारतीय नाविक की मौत पर ईरानी राजदूत तलब, भारत आ रहे 11 जहाज अटके

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

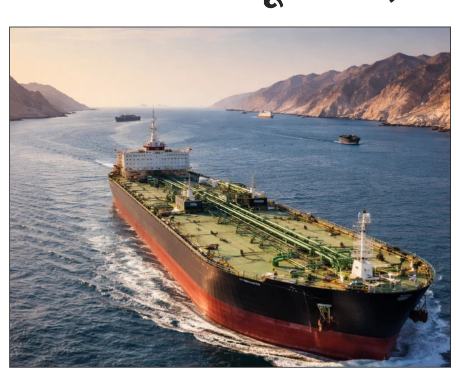

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। भारत ने होर्मुज स्ट्रेट में मंगलवार सुबह दो व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास के उप प्रमुख (डिप्टी चीफ ऑफ मिशन) को तलब कर भारत का कड़ा विरोध दर्ज कराया। मंत्रालय ने इन हमलों की निंदा करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर इस तरह के हमले तुरंत बंद होने चाहिए। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, हमले का शिकार बने दोनों जहाजों पर कुल 30 भारतीय नाविक सवार थे। इनमें एक भारतीय की मौत हो गई, जबकि 10 घायल हुए हैं। भारत ने मृतक के परिवार के प्रति संवेदना जताई है और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। भारत ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव चिंता का विषय है। उसने सभी पक्षों से हिंसा रोकने, बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाने की अपील की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट जैसे अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर जहाजों की सुरक्षित आवाजाही और व्यापार हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इस बीच विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी है कि भारत से जुड़े 11 जहाज और 148 भारतीय नाविक फिलहाल फारस की खाड़ी में फंसे हुए हैं। ये सभी जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने का इंतजार कर रहे हैं। ब्रिटेन ने एक बार फिर कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट बिना किसी टोल या शुल्क के खुलना चाहिए। यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के उस ऐलान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने ईरानी जहाजों की नाकेबंदी फिर से लागू करने और इस समुद्री मार्ग से गुजरने वाले अन्य जहाजों के कार्गो पर 20% शुल्क लगाने की बात कही थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

ईरान में अमेरिका विरोधी दो नेताओं को अहम पदों से हटाया गया

ईरान की संसद ने अमेरिका के साथ बातचीत का खुलकर विरोध करने वाले दो नेताओं को उनके पदों से हटा दिया है। महमूद नबावियन को सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रथम उपाध्यक्ष, जबकि इब्राहिम रेजाई को प्रवक्ता पद से हटाया गया। सुरक्षा और विदेश नीति समिति ईरान की संसद की एक स्थायी संसदीय समिति है। यह देश की सुरक्षा, रक्षा, विदेश नीति, सीमा सुरक्षा और परमाणु कार्यक्रम जैसे अहम मुद्दों पर काम करती है और इनकी समीक्षा करती है।

> ट्रम्प ने कहा था कि अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेगा और इसके बदले व्यावसायिक जहाजों से उनके कार्गो के मूल्य का 20% शुल्क वसूलेगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय डाउनिंग स्ट्रीट के प्रवक्ता ने कहा, "इन प्रस्तावों का पूरा विवरण अमेरिका ही बताएगा। लेकिन हमारा रुख हमेशा से यही रहा है कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत होर्मुज स्ट्रेट को बिना किसी टोल या शुल्क के खोला जाना चाहिए। ऐसा कोई भी शुल्क वैश्विक व्यापार को प्रभावित कर सकता है।"

अर्लट : यूपी में अब तक 19%, एमपी में 3% कम बारिश, अरुणाचल में आईटीबीपी के 15 जवान फंसे

11 साल में तीसरी बार मानसून पर ब्रेक

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/भोपाल। देश के बड़े हिस्से में जुलाई में मानसून ब्रेक जैसी स्थिति बनी है। साल 2015 और 2021 के बाद 11 साल में यह तीसरा मौका है। मौसम विभाग के मुताबिक 6-7 दिनों तक उत्तर-पश्चिम, मध्य और दक्षिण भारत के अधिकांश हिस्सों में बारिश के आसार कम हैं। हालांकि, पूर्वोत्तर, बिहार और पश्चिम बंगाल में तेज बारिश जारी रहेगी। मध्य प्रदेश में पहली बार जुलाई में मानसूनी सीजन में कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में अब तक 241.8 मिमी बारिश हुई है।

>> (शेष पेज 06 पर)

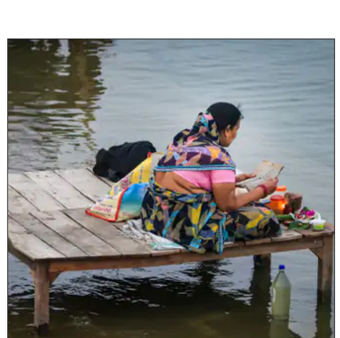

हीट इंडेक्स यानी फील लाइक टेम्परेचर बढ़ेगा

दरअसल, हवा में नमी बढ़ने पर शरीर से निकलने वाला पसीना जल्दी नहीं सूखता। इससे शरीर ठंडा नहीं हो पाता और मौसम वास्तविक तापमान से कहीं ज्यादा गर्म लगता है। इसे हीट इंडेक्स कहते हैं। भुवनेश्वर में पारा 36° और 63% आर्द्रता के साथ हीट इंडेक्स 49°C तक पहुंच गया। मुंबई में 32°C पारा होने के बावजूद 70% नमी के चलते 40° जैसी गर्मी महसूस हो रही है। दिल्ली और श्रीगंगानगर में हीट इंडेक्स करीब 45-46°C है।

अरुणाचल प्रदेशः 84 मीटर लंबा पुल बहा, 8 गांवों का संपर्क टूटा

- अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ में क्रा दादी जिले में कुमेय नदी पर बना 84 मीटर लंबा पुल सोमवार को बाढ़ में बह गया। इसके बाद 8 गांवों का राज्य के बाकी हिस्सों से संपर्क पूरी तरह कट गया।
- राज्य में बारिश के कारण आई बाढ़ और लैंडस्लाइड से अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 29 लोग घायल हुए हैं। 26 जिलों के 425 गांवों में रहने वाले 97,182 लोग प्रभावित हुए हैं।
- पिपसोरंग के सब-डिविजनल ऑफिसर युमलाम पुलु और ताली ईस्ट के जिला परिषद सदस्य रुघु तामा ने प्रभावित इलाकों का दौरा किया।

> दोलत कैपिटल की रिपोर्ट के मुताबिक अल नीनो के असर और अगले दो हफ्तों तक सामान्य से कम बारिश की संभावना से खरीफ की तिलहन और कपास की फसलों पर असर पड़ सकता है। खासकर राजस्थान, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और उत्तर कर्नाटक में कम बारिश की संभावना जताई गई है।

गुजरात के अंबाजी मंदिर में भी दान की चोरी

2 महीने पुराना सीसीटीवी हुआ वायरल, तीन कर्मचारियों की मिलीभगत से हुई थी चोरी

- गुजरात के बनासकांठा में स्थित अंबाजी मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है।
- अंबाजी मंदिर में दान गिनने के लिए आउटसोर्सिंग कर्मचारी भी लगाए जाते थे।

तमसा संकेत, एजेंसी

अंबाजी। राम मंदिर में चंदे की चोरी का मुद्दा देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। इसी बीच गुजरात के प्रसिद्ध शक्तिपीठ अंबाजी मंदिर के खजाने में हुई चोरी का एक सीसीटीवी फुटेज वायरल है। हालांकि, यह फुटेज दो महीने पुराना है। इसमें आउटसोर्सिंग कर्मचारी नोटों का एक बंडल अपने पैरों के नीचे छिपाते नजर आ रहा है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी चिराग ठाकोर समेत तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया था। मंदिर ट्रस्ट इनकी सेवाएं खत्म कर चुका है। फुटेज वायरल होने पर बनासकांठा कलेक्टर मिहिर प्रवीणकुमार पटेल ने भी बताया कि यह घटना 5 मई, 2026 की है। घटना सामने आते ही मंदिर ट्रस्ट ने FIR दर्ज कराई थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को गति देगा 'वन नेशन, वन इलेक्शन' : मंत्री ए. के. शर्मा

वन नेशन वन इलेक्शन से चुनावी खर्च घटेगा

सुझाव

- वन नेशन, वन इलेक्शन' प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शी पहल,देशहित में इसे शीघ्र लागू किया जाए : मंत्री ए. के. शर्मा
- बार-बार चुनाव से विकास की गति प्रभावित होती है, एक साथ चुनाव से देश की प्रगति को मिलेगी नई गतिः नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री

वन नेशन, वन इलेक्शन वन वोटर लिस्ट समय की आवश्यकता : मंत्री ए. के. शर्मा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। संयुक्त संसदीय समिति नई दिल्ली के सदस्यों के साथ आज स्थानीय होटल ताज में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई बैठक में वन नेशन वन इलेक्शन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार विमर्श हुआ जिसमें प्रदेश मंत्रिमंडल के सदस्य माननीय उपमुख्यमंत्री श्री कृष्णा प्रसाद मौर्य श्री सुरेश कुमार खन्ना से सूर्य प्रताप शाही श्री जयवीर सिंह श्री धर्मपाल सिंह एवं पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा उपस्थित रहे।

इस बैठक में प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री श्री ए के शर्मा ने अपने सुझाव देते हुए कहा कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शी सोच और राष्ट्रहित में लिया गया ऐतिहासिक निर्णय है, जिसे शीघ्र लागू किया जाना चाहिए। इससे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और अधिक प्रभावी होगी तथा विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। उन्होंने वन नेशन वन इलेक्शन के साथ वन वोटर लिस्ट का भी समर्थन किया। शर्मा ने कहा कि वे वर्ष 2021 से राजनीति में सक्रिय हैं और तब से अब तक लोकसभा, विधानसभा, पंचायत तथा नगर निकाय सहित पांच चुनाव देख चुके हैं। आगे वर्ष 2027 और 2029 में भी चुनाव होने हैं। इस प्रकार केवल आठ वर्षों में आठ चुनावों की स्थिति बन जाती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक चुनाव से दो-तीन माह पहले पूरा प्रशासन चुनावी तैयारियों में व्यस्त हो जाता है, जिससे सामान्य प्रशासनिक एवं विकास कार्यों की गति स्वाभाविक रूप से प्रभावित होती है। यही स्थिति चुनाव संपन्न होने के बाद भी कुछ समय तक बनी रहती है। वन नेशन वन इलेक्शन हो जाने से इस तरह की स्थितियों से निजात मिलेगी।

जनता को बेहतर और समयबद्ध सेवाएं मिल सकेंगी

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने कहा कि यदि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' लागू हो जाता है तो चुनावों की आवृत्ति कम होगी, चुनावी खर्च में उल्लेखनीय कमी आएगी, सुरक्षा बलों की बार-बार तैनाती की आवश्यकता घटेगी, प्रशासन विकास कार्यों पर अधिक ध्यान दे सकेगा तथा सरकारी संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा। इससे जनता को भी बेहतर और समयबद्ध सेवाएं मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 'विकसित भारत' का जो संकल्प लिया गया है, उसे साकार करने के लिए प्रशासनिक दक्षता और विकास की निरंतरता अत्यंत आवश्यक है। 'वन नेशन, वन इलेक्शन' इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण सुधार है, जो देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक सशक्त तथा विकासोन्मुख बनाएगा।

इस साझेदारी से शहरी निकायों में उत्कृष्ट कार्य प्रणालियों का होगा विस्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

- उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), इंदौर के मध्य क्षमता संवर्धन एवं प्रशिक्षण हेतु समझौता ज्ञापन हस्तांतरित
- ज्ञान, नवाचार और क्षमता संवर्धन से शहरी सुशासन को मिलेगी नई दिशाः अनुज कुमार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन के नगर विकास विभाग के अंतर्गत कार्यरत अर्बन ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (UTRI), लखनऊ तथा भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआई-एम), इंदौर के मध्य शहरी विकास, क्षमता संवर्धन, प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं नवाचार को नई दिशा देने के उद्देश्य से आज वर्चुअल माध्यम से एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) हस्तांतरित किया गया। नगर विकास विभाग के सचिव एवं यूटीआरआई के निदेशक श्री अनुज कुमार झा तथा आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय की उपस्थिति में एमओयू हस्तांतरण की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई।

इस समझौते के माध्यम से उत्तर प्रदेश के शहरी स्थानीय निकायों (Urban Local Bodies) की संस्थागत क्षमता को सुदृढ़ करने, आधुनिक प्रबंधन प्रणाली को बढ़ावा देने तथा व्यवहार आधारित शहरी प्रशासन विकसित करने की दिशा में संयुक्त रूप से कार्य किया जाएगा।

एमओयू के अंतर्गत प्रारंभिक चरण में वरिष्ठ अधिकारियों, नगर आयुक्तों, पार्षदों, जनप्रतिनिधियों तथा यूटीआरआई के मेंटर्स के लिए व्यवहार आधारित (Behavioural) प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

फास्ट न्यूज़

कैंसर से जूझ रहे क्लर्क ने खुद को गोली मारी

बख्शी का तालाब । इटौंजा कस्बे में मंगलवार को कैंसर से पीड़ित एक सरकारी क्लर्क ने खुद को गोली मार ली। वह लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे थे। आत्महत्या की सूचना मिलने पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। मृतक ने सुसाइड से पहले अपने बड़े भाइयों को मैसेज में लिखा था- अब मैं जीना नहीं चाहता। पुलिस के अनुसार, अशोक रोड, नगर पंचायत इटौंजा निवासी 47 वर्षीय अनुराग पांडेय अपने घर के कमरे में मृत पाए गए।

नोवोटेल होटल में वैज्ञानिक की मौत

लखनऊ। लखनऊ के विभूतिखंड थाना क्षेत्र स्थित नोवोटेल में एक वैज्ञानिक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। सुबह से दरवाजा न खुलने पर होटल कर्मियों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी तो वैज्ञानिक अचेत अवस्था में बेड पर पड़े मिले। पुलिस और फॉरेंसिक टीम घटनास्थल की जांच के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

महराजगंज जिले के सिसवा बाजार के बीजापार आसमान छपरा गांव के रहने वाले राहुल सिंह (22) युवा साइंटिस्ट थे। सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे विभूति खंड स्थित नोवोटेल होटल में आकर रुके थे।

दरोगा के घर चोरी करने वाले 4 चोर गिरफ्तार

मोहनलालगंज । बंद घरों की रेकी कर लाखों की चोरी करने वाले गैंग ने इस बार दरोगा के घर को निशाना बनाया, लेकिन वारदात के चार दिन बाद ही पुलिस ने चारों शातिरों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 20 लाख रुपए से अधिक कीमत के चोरी के जेवर भी बरामद हुए हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें गठित की गई थीं।

खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की पुरस्कार योजना में उत्कृष्ट इकाइयों को मिलेगा प्रथम

तमसा संकेत, संवाददाता

- 18 जुलाई शाम 5 बजे तक जिला ग्रामोद्योग कार्यालय लखनऊ में करें आवेदन
- मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग व पीएम रोजगार सृजन योजना के लाभार्थियों का होगा चयन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, लखनऊ की 'पुरस्कार योजना' के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में उत्कृष्ट कार्य करने वाली इकाइयों/लाभार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, लखनऊ ए. के. गौतम ने बताया कि विगत 3 वर्षों में स्थापित एवं निरंतर अच्छा कार्य करने वाली उन इकाइयों का चयन किया जाना है जिन्हें मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना एवं प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के अंतर्गत वित्तपोषित किया गया है। जिन इकाइयों द्वारा विगत 3 वर्षों में उत्पादन एवं बिक्री से सम्बंधित अच्छा कार्य किया गया है, उन्हें उ.प्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की पुरस्कार योजना के अंतर्गत प्रोत्साहन स्वरूप प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। सम्बंधित इकाइयां अपनी प्रगति रिपोर्ट, उत्पादन, बिक्री, वित्तपोषित बैंक द्वारा प्राप्त ऋण धनराशि एवं रोजगार से सम्बंधित आंकड़ों सहित 18 जुलाई 2026 को सायं 05.00 बजे तक जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, 8 कैण्ट रोड, कैसरबाग, लखनऊ में अपना आवेदन पत्र समस्त प्रपत्रों सहित जमा कर सकती हैं।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि प्राप्त आवेदनों के आधार पर जनपद स्तर पर गठित चयन समिति के माध्यम से इकाइयों का चयन किया जाएगा। चयन उपरांत पात्र इकाइयों को मण्डल स्तर पर पुरस्कार चयन की कार्यवाही पूर्ण करने हेतु परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग कार्यालय, लखनऊ मण्डल, लखनऊ को अग्रसारित किया जाएगा।

17 दिनों से अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक के समर्थन में संजय सिंह ने फूंका बिगुल

सोनम वांगचुक के अनशन से नहीं पसीजेंगे मोदी : संजय सिंह

- 20 जुलाई को यूपी के हर जिले में सड़क पर उतरेगी 'आप'

नौजवान सड़कों पर उतरेगा तभी झुकेगी सत्ता : संजय सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

सोनम वांगचुक और युवाओं के हक में 'आप' का बड़ा एलानः 20 जुलाई को पूरे उत्तर प्रदेश में होगा प्रदर्शन

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने लद्दाख के अधिकारों और देश के युवाओं के भविष्य के लिए जंतर-मंतर पर 17 दिनों से आमरण अनशन कर रहे सोनम वांगचुक के समर्थन में निर्णायक बिगुल फूंक दिया है। उन्होंने पेपर लीक, नीट धांधली और अग्निवीर जैसी योजनाओं से बर्बाद हो रहे करोड़ों युवाओं की आवाज को दबाने का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार और 'गोदी मीडिया' की संवेद-नहीनता पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सोनम वांगचुक के अनशन से प्रधानमंत्री मोदी और संवेद-नहीन भाजपा सरकार नहीं पसीजेगी , हम गंगा की निर्मलता के लिए 100 दिनों से ज्यादा तक आमरण अनशन पर बैठे जी.डी. अग्रवाल का हश्र देख चुके हैं जिनकी मृत्यु के बाद प्रधानमंत्री ने केवल औपचारिकता का ट्वीट ही किया था। उन्होंने कहा कि जब देश का नौजवान सड़कों पर उतरेगा तभी यह संवेदनहीन सत्ता झुकेगी। इस अन्याय के खिलाफ एकजुटता दिखाते हुए संजय सिंह ने घोषणा की है कि आगामी 20 जुलाई को आम आदमी पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई हर जिले में व्यापक प्रदर्शन और आंदोलन के जरिए सोनम वांगचुक के संघर्ष को जन-जन तक पहुंचाएगी। संजय सिंह ने कहा कि 'समर शेष है, नहीं पाप का भागी केवल व्याध, जो तटस्थ हैं, समय लिखेगा उनके भी अपराध।' उन्होंने याद दिलाया कि सोनम वांगचुक वही शख्सियत हैं जिनके जीवन पर '3 ईडियट्स' फिल्म बनी और जिन्होंने कमजोर बच्चों की शिक्षा के लिए लद्दाख में क्रांतिकारी स्कूल बनाया।

नीट धांधली और अग्निवीर योजना ने बर्बाद किया करोड़ों नौजवानों का भविष्य

संजय सिंह ने सोनम वांगचुक के अनशन को देश के उन करोड़ों युवाओं के भविष्य से जोड़ा जिनका जीवन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है। उन्होंने कहा कि देश में अब तक 93 पेपर लीक हो चुके हैं, जिससे युवाओं का सपना टूट गया है। NEET की परीक्षाओं में हुई धांधली और सेना की स्थायी नौकरी को खत्म कर लाई गई 4 साल की 'अग्निवीर' योजना ने युवाओं को अंधकार में धकेल दिया है। सोनम वांगचुक उन्हीं नौजवानों के हक की बुलंद आवाज बनकर जंतर-मंतर पर डटे हैं।

विपक्षी दलों की एकजुटता

संजय सिंह ने बताया कि सोनम वांगचुक के संघर्ष को विपक्षी दलों का व्यापक समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जब आम आदमी पार्टी, जॉन ब्रिटास, दीपांकर भट्टाचार्य, पुष्पेंद्र सरोज (सपा), उद्धव ठाकरे और अरविंद केजरीवाल जैसे नेता समर्थन देने जाते हैं, तो भाजपा के ट्रोल उनका मजाक उड़ाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि संवेदनशील मुद्दों पर आवाज उठाना नेताओं की जिम्मेदारी है और वे गालियों व आलोचनाओं से डरकर पीछे हटने वाले नहीं हैं।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर संयुक्त संसदीय समिति ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से किया संवाद

एक साथ चुनाव से समय, संसाधन और ऊर्जा की होगी बचत : महाना

तमसा संकेत, संवाददाता

महाना ने कहा कि बार-बार चुनाव होने से प्रशासनिक मशीनरी, सुरक्षा बलों और सरकारी संसाधनों का बड़ा हिस्सा चुनावी प्रक्रिया में व्यस्त रहता है। एक साथ चुनाव होने से इन संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होगा और विकास योजनाओं की गति भी बनी रहेगी।

लखनऊ। संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 एवं संघ राज्य क्षेत्र कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 की समीक्षा कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के प्रस्तावित कानून को लेकर उत्तर प्रदेश में विभिन्न हितधारकों से संवाद की प्रक्रिया शुरू की है।

लखनऊ स्थित होटल ताज, गोमती नगर में आयोजित कार्यक्रम में समिति ने उत्तर प्रदेश विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्री सतीश महाना से भेंट कर एक साथ चुनाव कराने के संबंध में उनके विचार एवं सुझाव प्राप्त किए।

विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने समिति के समक्ष अपने विचार रखते हुए कहा कि "पूरे देश में एक राष्ट्र और एक चुनाव की भावना लंबे समय से रही है। एक देश, एक चुनाव केवल नेताओं के लिए नहीं बल्कि जनता के लिए भी सुविधाजनक होगा। बार-बार चुनाव होने से जनता और जनप्रतिनिधि दोनों प्रभावित होते हैं। चुनाव प्रक्रिया में सभी की भूमिका और इच्छा महत्वपूर्ण होती है, लेकिन यदि चुनाव एक साथ नहीं होते हैं तो बार-बार चुनावी गतिविधियों का प्रभाव शासन व्यवस्था पर भी पड़ता है।"

उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि "अपनी विधानसभा क्षेत्र में मुझे भी कई बार चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय रहना पड़ता है। जब-जब चुनाव होते हैं, जनता के बीच प्रतिनिधियों की जवाबदेही और विकास कार्यों पर भी इसका प्रभाव पड़ता है।

संयुक्त संसदीय समिति उत्तर प्रदेश के लखनऊ में तीन दिवसीय अध्ययन दौरे पर

ज्ञातव्य है कि संयुक्त संसदीय समिति अपने लखनऊ प्रवास के दौरान उत्तर प्रदेश विधानमंडल के सदस्यों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, विधि विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, उद्योग एवं व्यापार संगठनों, प्रबुद्धजनों तथा मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद कर रही है।

भारतीय जनता पार्टी के सांसद श्री पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली संयुक्त संसदीय समिति उत्तर प्रदेश के लखनऊ में तीन दिवसीय अध्ययन दौरे पर है। समिति का उद्देश्य लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से जुड़े संवैधानिक, प्रशासनिक एवं व्यावहारिक पहलुओं पर विभिन्न वर्गों से सुझाव प्राप्त करना है।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

जनसुनवाई एवं महिला संस्थानों के निरीक्षणों पर हुई विस्तृत समीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आज दिनांक 14.07.2026 को उ.प्र. राज्य महिला आयोग में मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन उ.प्र. राज्य महिला आयोग की मा. अध्यक्ष, डॉ. बबीता सिंह चौहान की अध्यक्षता में किया गया। उक्त बैठक का शुभारम्भ आयोग की मा. अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान, मा. उपाध्यक्ष श्रीमती अपर्णा यादव एवं मा. उपाध्यक्ष श्रीमती चारू चौधरी द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

मा. अध्यक्ष द्वारा मासिक बैठक में विगत माह में आयोग के मा. पदाधिकारियों द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों में महिला जनसुनवाई, वन स्टाप सेन्टर, महिला चिकित्सालय, महिला बन्दीगृह, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय आदि के निरीक्षण की समीक्षा की गयी तथा आवश्यकतानुसार सम्बन्धित विभाग को पत्र भेजे जाने के निर्देश दिये गये। बैठक में आयोग द्वारा आगामी माह में किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

सदस्य सचिव श्रीमती रेणु तिवारी द्वारा बैठक में उपस्थित सभी मा. पदाधिकारियों का धन्यवाद कर बैठक का समापन किया गया। कार्यक्रम में उ.प्र. राज्य महिला आयोग की मा. अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान, मा. उपाध्यक्ष श्रीमती अपर्णा यादव, मा. उपाध्यक्ष श्रीमती चारू चौधरी तथा मा. सदस्यगण श्रीमती हिमानी अग्रवाल, श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव, श्रीमती पूनम द्विवेदी, श्रीमती अनीता गुप्ता, श्रीमती अनुपमा सिंह लोधी, श्रीमती गीता बिन्द, श्रीमती गीता विश्वकर्मा, श्रीमती पुष्पा पाण्डेय, श्रीमती मीनाक्षी भराला, श्रीमती ऋतु शाही, श्रीमती एकता सिंह, श्रीमती प्रतिभा कुशवाहा, श्रीमती रेनू गौड, सहित अन्य गणमान्य पदाधिकारी/अधि-कारी उपस्थित रहे।

केवल आयोग की आधिकारिक वेबसाइट व विज्ञप्ति को ही मानें प्रमाणिक : अध्यक्ष

पीजीटी के परिणाम, प्राप्तांक व चयन सूची पहले ही सार्वजनिक, अफवाहों से बचें अभ्यर्थी

निर्देश

- पीजीटी, टीईटी समेत अन्य परीक्षाओं को लेकर भ्रामक सूचनाएं फैलाने वालों पर होगी विधिक कार्रवाई
  - डॉ. प्रशांत कुमार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने पीजीटी, टीईटी एवं अन्य परीक्षाओं को लेकर फैलाई जा रही भ्रामक सूचनाओं पर कड़ा रुख अपनाते हुए अभ्यर्थियों को सतर्क किया है।

डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि आयोग के संज्ञान में आया है कि कुछ व्यक्तियों द्वारा पीजीटी, टीईटी एवं अन्य परीक्षाओं के संबंध में OMR शीट, उत्तर कुंजी, कटऑफ, प्राप्तांक के बारे में अभ्यर्थियों को आयोग कार्यालय आकर प्रार्थना पत्र देने के लिए उकसाया व भ्रमित किया जा रहा है। साथ ही AI के माध्यम से फर्जी अभिलेख तैयार करने तथा धन के लेन-देन संबंधी अप्रमाणित सूचनाएँ भी प्रसारित की जा रही हैं। आयोग अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि पीजीटी परीक्षा के परिणाम पहले ही घोषित किए जा चुके हैं। सभी अभ्यर्थियों के प्राप्तांक तथा चयनित अभ्यर्थियों के लिखित परीक्षा अंक, साक्षात्कार अंक एवं अंतिम प्राप्तांक आयोग द्वारा पृथक-पृथक रूप से वेबसाइट पर प्रदर्शित किए जा चुके हैं। डॉ. प्रशांत कुमार ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि ऐसी भ्रामक एवं निराधार सूचनाओं पर विश्वास न करें। केवल आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित विज्ञापनों एवं सूचनाओं को ही प्रमाणिक मानें। उन्होंने चेतावनी दी कि असत्य एवं भ्रामक सूचना प्रसारित करने, अभ्यर्थियों को गुमराह करने तथा अवैध धन वसूली का प्रयास करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी। आयोग ने अभ्यर्थियों से कहा है कि किसी भी जानकारी के लिए आयोग कार्यालय के चक्कर लगाने या दलालों के बहकावे में न आएं। सभी सूचनाएं आयोग की वेबसाइट www.upessc.gov.in पर उपलब्ध हैं।

भाषण : वैज्ञानिक व्याख्यान, पेशेवर संवाद तथा ज्ञान-विनिमय के अनेक सत्र आयोजित किए गए

कालीकट में सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम का हुआ सफल आयोजन

तमसा संकेत, एजेंसी

कालीकट, केरल । देहलवी ग्रुप ऑफ कंपनीज़ ने केरल यूनानी मेडिकल एसोसिएशन (KUMA) के सहयोग से होटल डिमोरा, कालीकट में सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में केरल के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिष्ठित यूनानी चिकित्सकों, शिक्षाविदों एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान चिकित्सकों के लिए वैज्ञानिक व्याख्यान, पेशेवर संवाद तथा ज्ञान-विनिमय के अनेक सत्र आयोजित किए गए। इनमें क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट अधिनियम, क्रॉनिक किडनी डिज़ीज़ (CKD), मानसिक स्वास्थ्य तथा यूनानी चिकित्सा में नवीनतम प्रगति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का शुभारंभ KUMA के सचिव डॉ. सैयद मोहसिन के स्वागत भाषण से हुआ। इसके पश्चात KUMA के अध्यक्ष डॉ. यू. मुजीब ने अध्यक्षीय संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि सतत चिकित्सा शिक्षा चिकित्सकों की पेशेवर दक्षता बढ़ाने, साक्ष्य-आधारित चिकित्सा पद्धति को प्रोत्साहित करने तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में हो रहे नवीनतम विकास से चिकित्सकों को अवगत कराने का एक प्रभावी माध्यम है। उद्घाटन सत्र के दौरान डॉ. ओ.के.एम. अब्दुर्रहमान द्वारा लिखित पुस्तक ₹7-Day Body Reset₹ का भी विमोचन किया गया। अपने संबोधन में हकीम मोहसिन देहलवी ने देहलवी ग्रुप की अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि कंपनी ने भारत में पहली बार शुगर-फ्री यूनानी कैप्सूल, शुगर-फ्री यूनानी सिरप, शुगर-फ्री ख़मीरा एवं माजून जैसे उत्पाद विकसित किए।

हकीम मोहसिन देहलवी के विशेष संबोधन से हुई शुरुआत

इस अवसर पर यंग अचीवर्स सम्मान के अंतर्गत डॉ. अल वारिस मोहम्मद सहल नूरानी तथा सुश्री आलिया सफवाना को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। देहलवी ग्रुप सत्र की शुरुआत देहलवी ग्रुप के चेयरमैन हकीम मोहसिन देहलवी के विशेष संबोधन से हुई। उन्होंने संगठन की 100 वर्षों की गौरवशाली विरासत का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्ष 1926 में हकीम गुलाम किब्रिया ख़ान (हकीम भूरे मियाँ) द्वारा स्थापित बड़ा दवाखाना से शुरू हुई यह यात्रा आज एक आधुनिक एवं अनुसंधान-आधारित स्वास्थ्य सेवा संस्थान के रूप में विकसित हो चुकी है। उन्होंने कहा कि यूनानी चिकित्सा की समृद्ध परंपरा को संरक्षित रखना जितना आवश्यक है, उतना ही महत्वपूर्ण इसे वैज्ञानिक प्रमाणिकता, गुणवत्ता आश्वासन, नवाचार और आधुनिक औषधि निर्माण पद्धतियों के साथ आगे बढ़ाना भी है।

कार्यक्रम का पहला वैज्ञानिक सत्र डॉ. अब्दुल नज़ीर एम.टी. द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने केरल क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट एवं पंजीकरण प्रक्रिया विषय पर विस्तार से जानकारी दी। अपने व्याख्यान में उन्होंने केरल में क्लिनिकल संस्थानों से संबंधित कानूनी एवं नियामक प्रावधानों की व्याख्या करते हुए स्वास्थ्य संस्थानों के लिए वैधानिक अनुपालन के महत्व पर विशेष बल दिया।

आरोपी लवकुश का मकान सील होगा, अफसरों ने दूसरी नोटिस दी

चढ़ावे से ₹3 करोड़ चोरी हुए : स्वामी गोविंददेव गिरि

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरि ने कहा- जहां तक मेरा अनुमान है करीब 3 करोड़ रुपए की चोरी हुई होगी। 14 करोड़ रुपए के सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी होने की बात गलत है। गोविंददेव गिरि ने पुणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने इस्तीफे की खबरों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- मैंने कोई इस्तीफा नहीं दिया है। इधर,

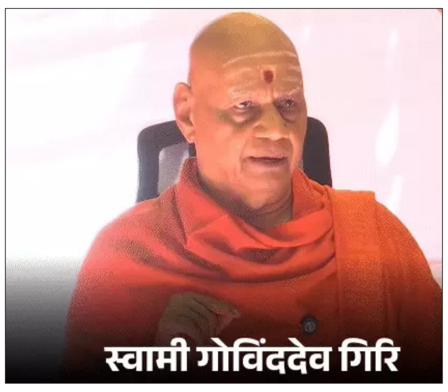

अयोध्या विकास प्राधिकरण (ADA) ने चढ़ावा चोरी के आरोपी लवकुश मिश्रा के निर्माणाधीन मकान पर अंतिम नोटिस चस्पा कर दिया है। ADA ने इससे पहले 3 जुलाई को नोटिस दी थी, लेकिन लवकुश की पत्नी सुप्रिया मिश्रा ने कोई जवाब नहीं दिया।

आरोपी टिन्नू और सुभाष की रिमांड मांगेगी पुलिस

चढ़ावा चोरी के मामले में आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और सुभाष श्रीवास्तव को रिमांड पर लेने के लिए पुलिस मंगलवार को कोर्ट में अर्जी दाखिल करेगी। रिमांड मिलने पर दोनों से पूछताछ की जाएगी। इससे पहले, पुलिस आरोपी अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा और करुणेश पांडेय को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर चुकी है।

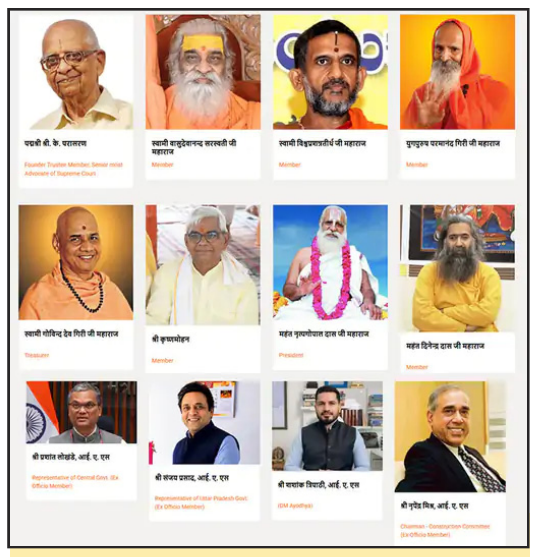

अखिलेश यादव के खिलाफ पोस्टर- दिल में बाबर, मुंह में राम

अयोध्या, बाराबंकी, मथुरा समेत यूपी के कई जिलों में सोमवार देर रात सपा के खिलाफ पोस्टर लगाए गए। इनमें मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव की तस्वीरों के साथ लिखा है- 'दिल में बाबर, मुंह में राम।' मंगलवार सुबह सपा कार्यकर्ताओं ने होर्डिंग्स फाड़ दिए।

सीडीओ ने स्कूल चलो अभियान की समीक्षा की

हरदोई। हरदोई में मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी नेहा व्याडवाल की अध्यक्षता में स्कूल चलो अभियान की समीक्षा बैठक हुई। स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित इस बैठक में शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन, विद्यालयों में शत-प्रतिशत नामांकन और ड्रॉपआउट व आउट ऑफ स्कूल बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक विद्यालय में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप नामांकन सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने ड्रॉपआउट और आउट ऑफ स्कूल बच्चों की पहचान कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर विद्यालयों में प्रवेश दिलाने पर जोर दिया। सीडीओ ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों का नियमित भ्रमण कर नामांकन अभियान की निगरानी करने के भी निर्देश दिए।

अलीगढ़ में ओवरटेक को लेकर दो पक्ष भिड़े

कार सवार ने स्कूटी वाले पर तानी पिस्टल

तमसा संकेत, एजेंसी

कोल। अलीगढ़ के थाना गांधी पार्क क्षेत्र में मंगलवार देर रात साढ़े 12 बजे ओवरटेक को लेकर हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया। रेलवे रोड स्थित एक पेट्रोल पंप के सामने एक्टिवा और इनोवा कार की मामूली टक्कर के बाद दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। आरोप है कि कार सवार युवक ने स्कूटी चालक पर पिस्टल तानकर गोली मारने की धमकी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर उसके कब्जे से पिस्टल बरामद कर ली। पीड़ित सौरभ मित्तल ने बताया कि वह गांधी पार्क बस स्टैंड की ओर से सूतमिल स्थित मयूर विहार स्थित अपने घर जा रहे थे। रेलवे रोड पर उन्होंने सामने चल रही

इनोवा कार को ओवरटेक किया। इसी दौरान दोनों वाहनों के बीच मामूली टक्कर हो गई, जिसके बाद दोनों पक्षों में बहस शुरू हो गई। सौरभ मित्तल का आरोप है कि विवाद बढ़ने पर इनोवा सवार युवक ने पिस्टल निकालकर उनकी ओर तान दी और कहा, ₹तुम्हें गोली मार दूंगा।₹ घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही गांधी पार्क थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

फास्ट न्यूज

दलित युवकों से मारपीट, जातिसूचक टिप्पणी का आरोप

उन्नाव। उन्नाव के बीघापुर कोतवाली क्षेत्र के रानीपुर गांव में तीन दलित युवकों के साथ कथित मारपीट और जातिसूचक टिप्पणी का मामला सामने आया है। आरोप है कि उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। इस मामले में नर सेवा नारायण सेवा के संस्थापक और भाजपा नेता विमल द्विवेदी ने अपने समर्थकों के साथ क्षेत्राधिकारी (सीओ) बीघापुर से मुलाकात कर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।

आनंद घाट आरती स्थल 3 साल बाद भी अधूरा

उन्नाव। उन्नाव के गंगाघाट स्थित आनंद घाट पर बनारस की तर्ज पर बन रहा भव्य गंगा आरती स्थल तीन साल बाद भी अधूरा है। पर्यटन विभाग की धीमी कार्यशैली और लगातार देरी के कारण यह परियोजना अधर में लटकी हुई है। हाल ही में गंगा का जलस्तर बढ़ने से निर्माण कार्य एक बार फिर प्रभावित हो गया है। इस परियोजना को आनंद घाट को धार्मिक और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से वर्ष 2023 में स्वीकृति मिली थी। इसका लक्ष्य वाराणसी की तर्ज पर एक भव्य गंगा आरती स्थल बनाना था, ताकि स्थानीय लोगों और बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं–पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

अपना दल कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

सुलतानपुर। सुल्तानपुर में मंगलवार को अपना दल (कमेरावादी) ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। यह आयोजन जिलाध्यक्ष मौलाना पंडित अर्जुन सिंह पटेल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। धरने में फैजाबाद अयोध्या मंडल के अध्यक्ष सुरेश पटेल (टाइगर) के नेतृत्व में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने अतिरिक्त मजिस्ट्रेट के माध्यम से जिलाधिकारी को एक मांग पत्र सौंपा।

हरदोई में समिति ने किया आयोजन, पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

आरआर इंटर कॉलेज में 'एक पेड़ मां के नाम' पौधरोपण

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के आरआर इंटर कॉलेज परिसर में मंगलवार शाम 4 बजे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन प्रहलाद नगरी जन कल्याण समिति द्वारा किया गया। जिला समाज कल्याण अधिकारी अवनीश कुमार यादव और कॉलेज के प्रबंधक कीर्ति सिंह ने पौधे लगाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और भविष्य की पीढ़ियों के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने लोगों से पौधरोपण के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल करने की भी अपील की।

कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, जलवायु संतुलन और स्वच्छ वातावरण के महत्व पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करे, तो पर्यावरण को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने कॉलेज परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए।

इस कार्यक्रम में एडवोकेट कुमुदनी देवी, समाजसेविका निरमा देवी, महिला जिला अध्यक्ष सरोज सिंघल, महामंत्री ज्योति बघेल, दिवाकर

मिश्रा, सुनील त्रिपाठी, रेशमा गुप्ता, नीतू गुप्ता, नीलम गुप्ता, विनीत पाण्डेय, पूर्णिमा सिंह, अनीता अवस्थी, शशि वर्मा, शशि श्रीवास्तव, आरती द्विवेदी, सुमन सिंह उमा मिश्रा, रानी अग्निहोत्री, अनीता मिश्रा, वीना त्रिपाठी, शोभना सिंह, आशा बाजपेई, सरिता अग्रवाल, शैलेन्द्री पाल और वन दरोगा हरिनाम सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

दिव्यांगों के लिए आरसेटी में निःशुल्क प्रशिक्षण शुरू

6 दिवसीय कार्यक्रम में अगरबत्ती-धूपबत्ती निर्माण सिखाकर स्वरोजगार से जोड़ेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में बैंक ऑफ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) में मंगलवार शाम 4 बजे दिव्यांगजनों के लिए छह दिवसीय निःशुल्क उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। इस कार्यक्रम का उद्घाटन अग्रणी जिला प्रबंधक अरविंद रंजन ने किया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है। यह पहल उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को अगरबत्ती और धूपबत्ती निर्माण की तकनीक

सिखाई जाएगी। इसमें उत्पाद की गुणवत्ता, पैकेजिंग और स्वरोजगार स्थापित करने से संबंधित आवश्यक जानकारी भी शामिल होगी। आरसेटी ने बताया कि प्रशिक्षण पूरा होने के बाद इच्छुक प्रतिभागियों को स्वरोजगार स्थापित करने में हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। आरसेटी प्रशासन के अनुसार, प्रशिक्षण अवधि के दौरान सभी प्रतिभागियों के लिए जलपान और भोजन की व्यवस्था पूरी तरह निःशुल्क रहेगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यावहारिक और सैद्धांतिक दोनों प्रकार की जानकारी दी जाएगी ताकि प्रतिभागी अधिकतम लाभ उठा सकें। अग्रणी जिला प्रबंधक अरविंद रंजन ने इस अवसर पर कहा कि दिव्यांगजनों को कौशल आधारित प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाना संस्थान की प्राथमिकता है। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल रोजगार के नए अवसर पैदा करते हैं, बल्कि समाज में आत्मविश्वास और सम्मान के साथ जीवनयापन का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं। रंजन ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाने और सीखी गई तकनीकों का उपयोग कर अपना स्वयं का रोजगार स्थापित करने का आह्वान किया।

100 हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि होगी सिंचित

डीएम के निर्देश पर शारदा सहायक नहर के कुलाबों का होगा कायाकल्प, टेल की नहीं हुई सफाई

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर में किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह के निर्देश पर शारदा सहायक खंड-16 की बायीं नहर पर स्थित कुलाबों का कायाकल्प किया जाएगा। इस परियोजना से लगभग 100 हेक्टेयर अतिरिक्त कृषि भूमि सिंचित हो सकेगी, जिससे क्षेत्र के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। मंगलवार दोपहर 2 बजे तक कूरेभार और जयसिंहपुर क्षेत्र में केवल हेड तक सफाई हुई टेल तक ये अभियान नहीं पहुंच सका है। क्षेत्र के किसान लंबे समय से नहर का पानी खेतों तक पर्याप्त मात्रा में न पहुंचने की समस्या से जूझ रहे थे।

कुलाबों के जीर्णोद्धार के बाद नहर का पानी आसानी से खेतों

तक पहुंचेगा, जिससे सिंचाई व्यवस्था मजबूत होगी। इससे खेती की लागत कम होने और कृषि उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है। जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने संबंधित अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता, पारदर्शिता और निर्धारित समयसीमा का पालन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों से जुड़े विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी निर्माण कार्य शासन के मानकों के अनुरूप होने चाहिए।

इस योजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी शारदा सहायक खंड-16 के अधिशासी अभियंता शरद कुमार और सहायक अभियंता मंगल यादव को सौंपी गई है। उन्हें कुलाबों के कायाकल्प का कार्य तेजी से पूरा कर किसानों को समय पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश मिले हैं। स्थानीय किसानों ने इस पहल का स्वागत किया है।

उनका कहना है कि इससे वर्षों पुरानी सिंचाई समस्या का समाधान होगा और उन्हें निजी संसाधनों पर कम निर्भर रहना पड़ेगा। समय पर पानी मिलने से फसलों की पैदावार में भी वृद्धि होगी।

> **जिलाधिकारी ने किसानों से जल संरक्षण की अपील भी की। उन्होंने कहा कि सिंचाई पूरी होने के बाद नहर का पानी ओवरफ्लो होने से पहले ही बंद कर दें। उन्होंने "जल है तो कल है" के संदेश के साथ प्रत्येक किसान से पानी का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने का आग्रह किया, ताकि अधिक से अधिक किसानों को सिंचाई का लाभ मिल सके और जल संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित हो।**

जगन्नाथ रथ यात्रा को लेकर पुलिस अलर्ट

सीओ नगर ने रास्ता चेक किया, गुरुवार को निकलेगी भव्य शोभायात्रा

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के गंगाघाट क्षेत्र में गुरुवार को आयोजित होने वाली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के लिए पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। यात्रा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित संपन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार दोपहर क्षेत्राधिकारी (सीओ) नगर विनी सिंह ने थाना गंगाघाट में बैठक की। इसमें क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, रथ यात्रा के संयोजक वीरेंद्र शुक्ला और अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में सीओ नगर ने आयोजकों के साथ रथ यात्रा के मार्ग, संभावित श्रद्धालुओं की संख्या, यातायात प्रबंधन, पार्किंग और भीड़ नियंत्रण जैसे सुरक्षा संबंधी बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने सभी से आपसी समन्वय बनाए रखने और प्रशासन का सहयोग करने की

अपील की, ताकि यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। बैठक के बाद सीओ विनी सिंह ने पुलिस अधिकारियों और आयोजकों के साथ प्रस्तावित रथ यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेडिंग, संवेदनशील स्थलों और यातायात संचालन का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न होने देने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कार्रवाई : यूपी एसटीएफ ने 2 गोलियां मारीं, चलती ट्रेन से कूदकर पुलिस कस्टडी से भागा था

बसपा नेता का हत्यारोपी मुस्तफिजुल एनकाउंटर में मारा गया

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर/आजमगढ़। गोरखपुर में यूपी STF ने बसपा नेता की हत्या के आरोपी बदमाश को सोमवार रात 11:15 बजे एनकाउंटर में मार गिराया। उस पर 1 लाख का इनाम था। STF और पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर और आंख के पास गोली लगी। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मुठभेड़ जिला मुख्यालय से 15 किमी दूर रामनगर करजहा में हुई। 30 मिनट चली मुठभेड़ में दोनों तरफ से 15 राउंड फायरिंग हुई। बदमाश मुस्तफिजुल हसन ने 4 साल पहले बसपा नेता कलामुद्दीन उर्फ कमालू की हत्या की थी। कलामुद्दीन ने आजमगढ़ की निजामाबाद विधानसभा से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। मुस्तफिजुल लगातार ठिकाने

मुस्तफिजुल रहमान, मृतक बदमाश

बदलता रहता था, इसलिए पुलिस उसे पकड़ नहीं पा रही थी। दिसंबर 2024 में पुलिस ने मुस्तफिजुल को गुजरात से गिरफ्तार किया था, लेकिन आजमगढ़ लाते समय वह महाराष्ट्र के अमरावती रेलवे स्टेशन के पास टॉयलेट जाने का बहाना कर चलती ट्रेन से कूद गया था। मुस्तफिजुल आजमगढ़ के मेहनगर थाना क्षेत्र का रहने वाला था। उसके खिलाफ आजमगढ़ (8), हरदोई (1) और महाराष्ट्र के अमरावती (1) में हत्या, लूट जैसी धाराओं में 10 मुकदमे दर्ज थे। इसके बाद पुलिस ने जवाबी फायरिंग की। मुस्तफिजुल को दो गोलियां लगीं और वह सड़क पर गिर पड़ा। पुलिस घायल सिपाही और बदमाश को खोराबार प्राइमरी हेल्थ सेंटर (PHC) लेकर आई

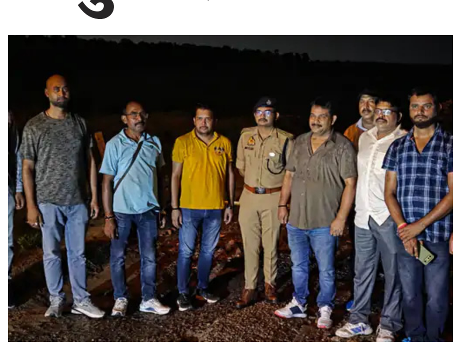

बदमाश के भाई की हत्या के आरोपी थे बसपा नेता कमालुद्दीन

मुस्तफिजुल हसन उर्फ बाबू भी खुंदनपुर गांव का रहने वाला था। पिता जमालुद्दीन खेती-किसानी करते थे। उसके 3 भाइयों की बीमारी की वजह से मौत हो चुकी है। एक भाई दुबई में रहता है और एक भाई गांव में ही रहता है। 2013 में उसके एक भाई कामरान की हत्या हो गई थी। बसपा नेता कमालुद्दीन हत्याकांड में आरोपी थे। इसके बाद से ही कमालुद्दीन के परिवार को दुबई से लगातार धमकियां भी मिल रही थीं।

पुलिस ने रोका तो फायरिंग की, जवाबी फायरिंग में ढेर

STF और पुलिस को सूचना मिली थी कि मुस्तफिजुल कुशीनगर की ओर जा रहा है। STF और पुलिस ने रामनगर-कड़जहां फोरलेन पर चेकिंग शुरू कर दी। रात 11 बजे मुस्तफिजुल बाइक से आया। टीम ने रुकने का इशारा किया, लेकिन वह बाइक मोड़कर भागने लगा। पीछा किया तो फायरिंग कर दी। एक गोली STF के हेड कॉन्स्टेबल महेंद्र सिंह को लग गई।

चाय दुकानदार से मारपीट

बस स्टैंड पर चेन-नगदी लूटी, सीओ सिटी बोले-आरोपियों को हिरासत में गया लिया

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर के बस स्टैंड पर एक चाय दुकानदार के साथ मारपीट और लूटपाट का मामला सामने आया है। दबंगों ने दुकानदार से सोने की चेन और 600 छीन लिए। यह पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। घटना कोतवाली नगर थाना क्षेत्र के बस स्टैंड पर स्थित 'चाय स्टेशन' नामक दुकान में हुई। पुरानी बाजार, शाहगंज निवासी अंशु कुमार इस दुकान का संचालन करते हैं। पीड़ित अंशु कुमार ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 14 जुलाई की सुबह करीब 10:00 बजे सचिन दुबे, निशांत और रणविजय सिंह अपने कुछ साथियों के साथ उनकी दुकान पर आए। आरोपियों ने दुकान पर आते ही अंशु कुमार को गालियां देना शुरू कर दिया। जब पीड़ित ने इसका

विरोध किया, तो सभी आरोपियों ने मिलकर उस पर हमला कर दिया। उन्होंने अंशु कुमार को लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने उसके गले से सोने की चेन और जेब में रखे ₹600 जबरन छीन लिए। यह पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। अंशु कुमार ने बताया कि इससे पहले भी 10 जुलाई को इन लोगों ने उनके साथ विवाद किया था और अक्सर दुकान पर आकर झगड़ा करते रहते हैं। जाते समय आरोपियों ने पीड़ित को दोबारा दिखने पर जान से मारने की धमकी भी दी। सीओ सिटी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि वीडियो फुटेज को संज्ञान में लेते हुए अभियुक्तों की पहचान कर उन्हें हिरासत में ले लिया गया है। वादी की तहरीर के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सम्पादकीय

समाधान की पहल

सुप्रीम कोर्ट ने विशेष लोक अदालत के माध्यम से मथुरा, वाराणसी और संभल के धार्मिक स्थल से जुड़े विवादों के सद्भावपूर्ण हल के लिए जो पहल की, वह सराहनीय है। इससे अच्छा और कुछ नहीं कि समाधान नामक इस पहल के जरिये मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद, वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद-काशी विश्वनाथ मंदिर और संभल की जामा मस्जिद-कल्कि मंदिर संबंधी विवादों को आपसी सहमति से सुलझाने की कोई राह निकल सके। एक समय अयोध्या विवाद का समाधान भी आपसी सहमति से निकालने के लिए कई स्तरों पर प्रयत्न किए गए थे-पहले नेताओं की ओर से, फिर इस मामले से जुड़े दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों की ओर से और अंत में सुप्रीम कोर्ट की ओर से भी, लेकिन एक पक्ष के अड़ियल रवैये के कारण किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सका। बाद में सदियों पुराने इस विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने अपना निर्णय मंदिर के पक्ष में दिया।

यह बात और है कि मस्जिद पक्ष के कुछ लोगों को यह फैसला रास नहीं आया और वे अभी भी उसके विरुद्ध लोगों को बहकाने-बरगलाने का काम करते रहते हैं। ऐसा ही कुछ काम धार के भोजशाला मामले में भी किया जा रहा है। ज्ञात हो कि मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने हाल में भोजशाला को हिंदू मंदिर और संस्कृत शिक्षा का प्राचीन केंद्र करार दिया। मथुरा, वाराणसी और संभल के मामले सुप्रीम कोर्ट की लोक अदालत के माध्यम से तभी सुलझ पाएंगे, जब दोनों पक्ष इसके प्रति प्रतिबद्धता दिखाएंगे। चूंकि इसके बहुत आसार नहीं कि मथुरा, वाराणसी और संभल के धार्मिक स्थलों से जुड़े विवादों के मैत्रीपूर्ण समाधान के लिए दोनों पक्ष आगे आएंगे, इसलिए सुप्रीम कोर्ट को इसके लिए भी तैयार रहना चाहिए कि इन विवादों का यथाशीघ्र हल उच्चतर न्यायपालिका के स्तर पर हो। बेहतर होगा कि सुप्रीम कोर्ट 1991 के पूजास्थल कानून को चुनौती देनी वाली याचिकाओं का भी निपटारा करे, क्योंकि यह कानून न्याय के नैसर्गिक सिद्धांतों का निरादर करता है। यह विवादों को भूलने की बात करता है, जो संभव नहीं। उचित यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट मथुरा, वाराणसी और संभल के धार्मिक स्थलों के साथ ऐसे ही अन्य विवादों के हल के लिए ऐसे किसी आयोग का गठन करे, जो यह पता लगाए कि किन स्थानों पर किसी धार्मिक स्थल को ध्वस्त कर अन्य धार्मिक स्थल जबरन निर्मित किए गए। निःसंदेह इतिहास को बदला नहीं जा सकता, लेकिन उसकी उन भूलों को सुधारा अवश्य जा सकता है, जो पुराने घावों की तरह टीस देती रहती हैं। विश्व के कई देशों ने ऐतिहासिक अन्याय को उजागर करने और आक्रांताओं के कृत्यों की पहचान करने एवं पीड़ितों को राहत देने के लिए सत्य एवं सुलह आयोग गठित किए हैं। भारत को भी ऐसा ही करना चाहिए।

राजस्थानी संस्कृति के अमर साधक के. सी. मालू

एक युग का अवसान एक विरासत का अमरत्व

> के.सी. मालू की दृष्टि केवल संगीत तक सीमित नहीं थी। वे राजस्थानी भाषा के भी प्रखर प्रहरी थे। उनका मानना था कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती, बल्कि वह किसी समाज की आत्मा और उसकी सांस्कृतिक स्मृति होती है।

कुछ व्यक्तित्व केवल अपने जीवनकाल तक सीमित नहीं रहते, वे अपने समय की सांस्कृतिक चेतना बन जाते हैं। उनके जाने के बाद भी उनकी साधना समाज की स्मृतियों, संस्कारों और परंपराओं में जीवित रहती है। राजस्थानी लोकसंगीत, भाषा, साहित्य और संस्कृति के ऐसे ही युगपुरुष थे केसरी चंद (के.सी.) मालू। उनका निधन केवल एक व्यक्ति का निधन नहीं है, बल्कि राजस्थान की सांस्कृतिक यात्रा के एक स्वर्णिम अध्याय का विराम है। उन्होंने अपने जीवन को जिस निष्ठा, समर्पण और तपस्वी भाव से राजस्थानी अस्मिता के संरक्षण में समर्पित किया, वह उन्हें सामान्य व्यक्तियों की श्रेणी से बहुत ऊपर स्थापित करता है। आज जब बाजारवाद और वैश्वीकरण की तेज आंधी में लोकसंस्कृतियां अपनी पहचान बचाने के लिए संघर्ष कर रही हैं, तब के. सी. मालू जैसे व्यक्तित्वों का महत्व और भी बढ़ जाता है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि यदि संकल्प दृढ़ हो तो एक अकेला व्यक्ति भी पूरी सांस्कृतिक धरोहर को विलुप्त होने से बचा सकता है। उन्होंने राजस्थानी लोकधुनों एवं लोकगीतों को केवल संग्रहित नहीं किया, बल्कि उन्हें नई पीढ़ी की धड़कनों तक पहुंचाया। उन्होंने संस्कृति को संग्रहालय की वस्तु नहीं बनने दिया, बल्कि उसे जनजीवन की सांसों से जोड़ दिया। निश्चित ही वे लोकधुनों के सजग प्रहरी थे, संस्कृतिप्रेमी एवं कला-साधक थे।

संगीत उनके लिए केवल मनोरंजन नहीं था, बल्कि संस्कृति का प्राण था। उन्होंने हजारों लोकगीतों की पांडुलिपियां तैयार करवाईं, ध्वनिलिपियां बनवाईं, उनकी रिकॉर्डिंग करवाई और उन्हें सुरक्षित रखा। बिना किसी सरकारी सहायता के पांच हजार से अधिक लोकगीतों का संरक्षण अपने आप में विश्वस्तरीय सांस्कृतिक साधना है। यह कार्य किसी संस्थान के लिए भी कठिन माना जाता है, लेकिन उन्होंने इसे अपने जीवन का मिशन बना लिया। यही कारण है कि आज राजस्थान की अनेक लोकधुनें, विवाह गीत, मांड, पणिहारी, घूमर, चिरमी और असंख्य लोकगाथाएं सुरक्षित हैं। वीणा म्यूजिक की स्थापना केवल एक व्यावसायिक संस्था की स्थापना नहीं थी, बल्कि यह राजस्थान की आत्मा को स्वर देने का अभियान था। उस दौर में जब लोककलाकार गुमनामी के अंधेरे में खो रहे थे, उन्होंने उन्हें मंच दिया, सम्मान दिया और पहचान दी। अनेक कलाकार, जिनकी प्रतिभा गांवों तक सीमित थी, उनके प्रयासों से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचे। उन्होंने सिद्ध कर दिया कि लोककला किसी क्षेत्र की सीमाओं में कैद नहीं होती, बल्कि वह पूरी मानवता की सांस्कृतिक धरोहर होती है। ऐसा प्रतीत होता है उनके जीवन की हर पात में संगीत की झंकार है। राजस्थानी संस्कृति, संगीत एवं लोकधुनों से जहां-जहां साक्षात्कार होगा, वहां-वहां के.सी. मालू के कदमों के निशान मिलेंगे। उनका मन एवं कर्म सृजनात्मक था।

राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान दिलाने के लिए उन्होंने जो संघर्ष किया, वह उनके सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एवं अपनी माटी के प्रति समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने देश और विदेश के अनेक मंचों पर राजस्थानी भाषा की गरिमा और उसकी समृद्ध साहित्यिक परंपरा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे प्रसिद्धि के शिखर पर पहुंचकर भी विनम्र बने रहे। उनके भीतर कलाकार का संवेदनशील हृदय, साहित्यकार की दृष्टि और समाजसेवी की आत्मीयता एक साथ दिखाई देती थी। वे जानते थे कि संस्कृति केवल पुस्तकों या मंचों से जीवित नहीं रहती, बल्कि लोगों के जीवन में उतरने से जीवित रहती है। इसलिए उन्होंने लोकसंगीत को गांवों से निकालकर शहरों तक और भारत से निकालकर विश्वभर के राजस्थानी समाज तक पहुंचाया।

वर्ष 1987 में अकाल पीड़ितों की सहायता के लिए लता मंगेशकर नाइट का आयोजन कर एक करोड़ रुपये की सहायता राशि जुटाना उनके सामाजिक दायित्वबोध का अद्भुत उदाहरण है। यह बताता है कि उनके लिए संगीत केवल कला नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम भी था। उन्होंने अपने संसाधनों और प्रतिष्ठा का उपयोग समाजहित के लिए किया। आज जब कला का बड़ा हिस्सा केवल व्यवसाय बनता जा रहा है, तब के.सी. मालू का जीवन यह संदेश देता है कि कला का सर्वोच्च उद्देश्य समाज को समृद्ध बनाना है। उनके द्वारा संकलित 221 राजस्थानी विवाह गीतों का विशाल संग्रह विश्व में अपनी तरह का अनूठा उदाहरण है। यह केवल गीतों का संग्रह नहीं, बल्कि राजस्थान की सामाजिक परंपराओं, पारिवारिक संस्कारों और सांस्कृतिक स्मृतियों का जीवंत दस्तावेज है। उन्होंने यह समझ लिया था कि यदि लोकगीत बचेंगे तो लोकजीवन भी बचेगा। इसलिए उन्होंने संगीत के माध्यम से संस्कृति की रक्षा का महान कार्य किया। मेरा उनसे संबंध केवल एक प्रशंसक का नहीं था, बल्कि आत्मीयता का था। मेरे पूज्य पिताजी स्व. श्री रामस्वरूप जी गर्ग जब भी जयपुर जाते थे, तो के.सी. मालू जी से अवश्य मिलते थे। दोनों के बीच साहित्य, संस्कृति, जैन दर्शन और समाज के विविध विषयों पर लंबी चर्चाएं होती थीं। उन चर्चाओं का उल्लेख मैं बचपन से सुनता आया हूं। उन संवादों में केवल विचारों का आदान-प्रदान नहीं होता था, बल्कि संस्कृति के भविष्य की चिंता और समाज के प्रति उत्तर-दायित्व का भाव भी दिखाई देता था। बाद में मुझे भी उनसे मिलने और उनके स्नेह का लाभ लेने का अवसर मिला। उनकी सहजता, आत्मीयता और विचारों की गहराई आज भी स्मृतियों में ताजा है। वे जब भी राजस्थान की संस्कृति की बात करते थे, उनके शब्दों में केवल जानकारी नहीं होती थी, बल्कि मातृभूमि के प्रति अगाध प्रेम झलकता था। वे मानते थे कि अपनी जड़ों से जुड़ा समाज ही भविष्य का निर्माण कर सकता है। शायद यही कारण था कि उन्होंने आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए भी परंपरा को कभी नहीं छोड़ा। उन्होंने डिजिटल माध्यमों पर भी राजस्थानी संगीत को स्थापित किया, जिससे दुनिया के किसी भी कोने में रहने वाला राजस्थानी अपनी मिट्टी की सुगंध को महसूस कर सके।

ललित गर्ग

आचार्य श्री महाश्रमण...

ललित गर्ग

'महावीर से महाप्रज्ञ' कार्यक्रम में गूंजा अहिंसा

आचार्य श्री महाप्रज्ञ के 107वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में "महावीर से महाप्रज्ञ" विषय पर एक भव्य आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन दक्षिण दिल्ली स्थित पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स में किया गया। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, दिल्ली एवं आचार्य श्री महाश्रमण प्रवास व्यवस्था समिति, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम ने भगवान महावीर के अहिंसा एवं आत्मसंयम के संदेश तथा आचार्य महाप्रज्ञ के प्रेक्षाध्यान, जीवन-विज्ञान और मानव एकता के दर्शन को जन-जन तक पहुँचाने का सशक्त प्रयास किया।

आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनिश्री जयकुमार जी (ठाणा-3) ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि भगवान महावीर का अहिंसा का संदेश और आचार्य महाप्रज्ञ का प्रेक्षाध्यान का विज्ञान आज की अशांत दुनिया के लिए अमृत के समान है। उन्होंने कहा कि मनुष्य यदि आत्मानुशासन, ध्यान और नैतिक मूल्यों को जीवन में उतार ले तो परिवार, समाज और राष्ट्र-तीनों में शांति एवं सद्भाव का वातावरण निर्मित हो सकता है। कार्यक्रम का शुभारंभ जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा-दिल्ली के सांस्कृतिक प्रभारी श्री जय सिंह दुगड़, श्री

ललित श्यामसुखा एवं साथियों द्वारा आचार्य महाप्रज्ञ को समर्पित प्रेरणादायी गीत "प्रज्ञा, महाप्रज्ञ की प्रज्ञा" की सामूहिक प्रस्तुति से हुआ। गीत ने पूरे सभागार को आध्यात्मिक भावनाओं से ओत-प्रोत कर दिया।

मुख्य अतिथि श्री कन्हैयालाल जैन पटावरी ने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ का जीवन-दर्शन संपूर्ण मानवता की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि महाप्रज्ञजी के विचार केवल पढ़ने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में उतारने के लिए हैं और यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री अश्विनी उपाध्याय ने अपने मुख्य वक्तव्य में कहा कि जब तक समाज में नैतिकता, चरित्र और आध्यात्मिक चेतना का विकास नहीं होगा, तब तक सुशासन और सामाजिक समरसता का लक्ष्य अधूरा रहेगा। उन्होंने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ के जीवन-मूल्य नई पीढ़ी को संस्कारित एवं राष्ट्र को सशक्त बनाने की दिशा में अत्यंत उपयोगी हैं।

समारोह में श्री तेजकरण सुराणा, श्री सुखराज सेठिया, श्री हेमंत पटावरी, श्री बजरंग बोथरा, श्री राजेश जैन, श्री बाबूलाल गोलछा, श्रीमती कविता बरड़िया, श्री प्रदीप खटेर सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण सुप्रसिद्ध कवि, लेखक, विचारक एवं गायक बाबा सत्यनारायण मौर्य की ओजस्वी प्रस्तुति रही, जिसमें उन्होंने भगवान महावीर और आचार्य महाप्रज्ञ के जीवन-दर्शन को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन अंतरराष्ट्रीय कवि श्री राजेश चेतन ने किया। आयोजन की सफलता में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, दिल्ली के अध्यक्ष श्री बिमल कुमार बैंगानी, महामंत्री श्री प्रदीप संचेती, कार्यक्रम संयोजक श्री इंद्र बैंगानी तथा व्यवस्थाओं एवं समन्वय में श्री राजेश भंडारी की उल्लेखनीय भूमिका रही।

आचार्य श्री महाश्रमण प्रवास व्यवस्था समिति-दिल्ली के महामंत्री श्री सुखराज सेठिया ने कहा कि यह आयोजन केवल जन्मोत्सव नहीं, बल्कि आचार्य महाप्रज्ञ के चिंतन, दर्शन, प्रेक्षाध्यान, अहिंसा, नैतिकता और मानव एकता के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाने का सशक्त जन-जागरण अभियान है। मंगलपाठ एवं सामूहिक सद्भावना संदेश के साथ संपन्न हुए इस आयोजन ने उपस्थित जनसमूह को आध्यात्मिक चेतना, नैतिक जीवन, अहिंसा और मानवता के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। यह समारोह भगवान महावीर से आचार्य महाप्रज्ञ तक प्रवाहित आध्यात्मिक परंपरा और मानवीय मूल्यों का एक प्रेरक उत्सव बन गया। कार्यक्रम में दिल्ली-एनसी-आर सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, शिक्षाविदों, उद्योगपतियों, समाजसेवियों, युवाओं एवं महिलाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

मेरठ के खेल सामग्री उद्योग को वैश्विक पटल पर मिली उड़ान

उत्तर प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य में मेरठ का खेल सामग्री उद्योग हमेशा से एक गौरवशाली अध्याय रहा है। यहाँ के हुनरमंद कारीगरों और उद्यमियों ने क्रिकेट के बल्लों से लेकर एथलेटिक्स के विश्वस्तरीय उपकरणों तक, अपनी अद्वितीय कला का लोहा दुनिया भर में मनवाया है। इस पारंपरिक हुनर को आधुनिकता की रफ्तार देने और वैश्विक पटल पर और अधिक मजबूती से स्थापित करने में प्रदेश सरकार की 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) यानी 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना एक बड़े उत्प्रेरक के रूप में उभरी है। प्रदेश सरकार की इस दूरदर्शी नीति ने मेरठ के खेल उद्योग को न केवल नई वित्तीय संजीवनी प्रदान की है, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के असीम द्वार भी खोल दिए हैं। इधर कुछ वर्षों में बुनियादी ढांचे और वित्तीय सहायता में जो अभूतपूर्व तेजी आई है, उसने इस पूरे क्षेत्र की उत्पादन क्षमता और आर्थिक ताने-बाने को अभूतपूर्व उत्कर्ष प्रदान किया है।

वित्तीय मोर्चे पर ओडीओपी योजना के क्रियान्वयन ने जमीन पर बेहद ठोस और दूरगामी परिणाम दिखाए हैं। पिछले वित्तीय वर्ष के आंकड़ों के अनुसार, खेल सामग्री निर्माण से जुड़े उद्योगों को तीव्र रफ्तार देने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न बैंकिंग संस्थानों के समन्वय से एक सुदृढ़ वित्तीय ढांचा तैयार किया गया। इसके अंतर्गत जिले के लगभग 104 चिन्हित खेल सामग्री उत्पादकों और उद्यमियों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से 135 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत कर वितरित किया गया। इस भारी-भरकम राशि ने छोटे और मझोले स्तर के कारखानों को अपनी उत्पादन तकनीक को आधुनिक बनाने तथा कच्चे माल की उपलब्धता को सुचारू करने में अभूतपूर्व मदद की है। इसके साथ ही, इन लाभार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशासन द्वारा करीब 12 करोड़ रुपये की भारी सब्सिडी (अनुदान सहायता) सीधे प्रदान की गई, जिसने उद्यमियों के ऊपर से कर्ज के बोझ को काफी कम कर दिया है।

इस बड़े पैमाने पर मिली वित्तीय मदद का सीधा सकारात्मक असर मेरठ के औद्योगिक मानचित्र पर दिखाई देने लगा है। करीब 104 स्वीकृत आवेदनों के माध्यम से खेल सामग्री क्षेत्र में व्यापक स्तर पर औद्योगिक विस्तार हुआ है। वित्तीय सहायता के बल पर जिले में पहले से संचालित 100 से अधिक औद्योगिक इकाइयों ने अपनी क्षमता का विस्तार करते हुए नई मशीनें स्थापित की हैं और आधुनिक तकनीक को अपनाया है। इसके समानांतर, प्रदेश सरकार द्वारा निर्मित इस अनुकूल माहौल से प्रेरित होकर क्षेत्र में लगभग 80 नए सूक्ष्म और लघु उद्योगों की सफल स्थापना हुई है। नए उद्यमों के आगमन से बाजार में एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित हुई है और निर्यात की जाने वाली सामग्रियों की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। ओडीओपी योजना ने पारंपरिक रूप से चले आ रहे पारिवारिक व्यवसायों को कॉर्पोरेट रूप में ढलने और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उत्पाद तैयार करने की दिशा में एक नया हौसला और सामर्थ्य दिया है।

इस सफलता की निरंतरता को और आगे ले जाने के लिए प्रदेश सरकार ने चालू सत्र के लिए और भी बड़े और महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं। खेल सामग्री उद्योग की बढ़ती मांग और उत्पादकों के भारी उत्साह को देखते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष में अनुदान की कुल राशि को बढ़ाकर 14.5 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य तय किया गया है।

आचार की पृष्ठभूमि

आधुनिक तकनीक में कुछ भी जानकारी ढूंढ़ने के लिए उसका सबसे विश्वसनीय स्रोत गूगल ही माना जाता है । पर एक प्रश्न ऐसा है जिसका उत्तर तथाकथित गूगल देव भी नहीं दे पाता है । वह स्वयं में स्वयं को ढूंढना है । अंतर की गहराइयों तक पहुंचना यह कतई गूगल के कर्मक्षेत्र में नहीं है । इसके लिए तो स्वयं को ही स्वयं के अंतर के कुरुक्षेत्र में उतरना पड़ेगा। संभवतः इसके सिवाय गूगल बाकी के सभी प्रश्नों के उत्तर प्रायः दे देगा। व्यक्ति सदाचार के पथ पर चलता हैं । वह उच्च आचार का पालन करता हैं । वह साधु के दृष्टिकोंण से आचार का पालन हो सकता हैं । श्रावकत्व के रूप में भी आचार फलित हो सकता हैं । और सामान्य व्यक्ति भी अणुव्रत आचार संहिता आदि को मानकर अथवा अपने ढंग से सदाचार का पालन कर सकता हैं ।यहां प्रश्न हैं कि आचार की पृष्ठभूमि क्या हैं ? किस भूमिका के आधार पर आचार का पालन हो सकता हैं ? आगम वाणी से हम एक आधार प्राप्त कर सकतें हैं की चारित्र, समयक्त्व विहीन नहीं हो सकता हैं । वह यदि समयक्त्व नहीं है तो सम्यक् आचार और सम्यक् चारित्र हो नहीं सकता हैं । परन्तु चारित्र के बिना समयक्त्व स्वतंत्र रूप में हो सकता हैं । समयक्त्व और चारित्र एक साथ भी हो सकते हैं अथवा पहले सम्यक्त्व और बाद में भी चारित्र हो सकता हैं । सम्यक् दर्शन, सम्यक् ज्ञान, आचार की पृष्ठभूमि मानी जा सकती हैं । भेष-भूषा साधु की हो तथा ज्ञान निष्ठा व आचार भी हो तो सबका साथ हो सकता है । नदी के दो किनारे व इस पार से उस पार जाने के लिए बीच में सेतु हैं । यह अध्यात्म का सेतु है, ज्ञान, दर्शन व चारित्र में आस्था आदि - आदि । हमारे को जानकारी होना एक बात है लेकिन आचरण में लाने के लिए उस पर हमारी आस्था का होना नितांत आवश्यक है । आचार की स्थिति बनाने के लिए ज्ञान व दर्शन दोनों हों । हमने जान लिया महावर्तों के महत्व को पर ज्ञान को आचरण में लाने के लिए विचार-संस्कार हमारे गहरे होने की अपेक्षा भी होती है व आस्था का अडिग होना भी जरूरी है । जहां संशय की स्थिति हो वहां काम पूरा नहीं होता हैं । हम हवा बंद और मंद होने के अंतर को समझें ।

> प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

प्रदेश के मुख्यमंत्री...

निधि वर्मा

मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना ने आगरा के किसान श्री मतेन्द्र सेंगर की तकदीर बदली

उत्तर प्रदेश में कृषि और पशुपालन सदियों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था के दो मजबूत आधार रहे हैं। जहां खेती किसानों की आजीविका का प्रमुख साधन है, वहीं डेयरी व्यवसाय उन्हें नियमित आय का स्थायी स्रोत उपलब्ध कराता है। बदलते समय के साथ कृषि को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनाने के लिए आवश्यक हो गया है कि किसानों को ऐसे वैकल्पिक आय स्रोत उपलब्ध कराए जाएं, जो उन्हें आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता दोनों प्रदान करें। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार इसी उद्देश्य के साथ किसानों और पशुपालकों को आधुनिक डेयरी व्यवसाय से जोड़ने के लिए अनेक योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। नन्द बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत संचालित मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना ऐसी ही एक महत्वाकांक्षी पहल है, जो किसानों के जीवन में समृद्धि की नई कहानी लिख रही है।

जनपद आगरा के निवासी श्री मतेन्द्र सेंगर, पिता श्री उदयवीर सिंह, लंबे समय से कृषि एवं पशुपालन से जुड़े रहे हैं। खेती से होने वाली आय परिवार की आवश्यक-ताओं को पूरा करने का प्रमुख आधार थी, लेकिन अन्य छोटे किसानों की तरह उनके सामने भी आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने की चुनौती थी। ऐसे समय में उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार की मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना की जानकारी मिली। योजना के अंतर्गत चयनित होने के बाद उन्होंने आधुनिक डेयरी व्यवसाय की दिशा में कदम बढ़ाया और यही निर्णय उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ।

वर्ष 2024-25 में उन्होंने योजना के अंतर्गत 23.60 लाख रुपये की लागत से आधुनिक डेयरी इकाई स्थापित की। इस परियोजना पर उन्हें कुल लागत का 50 प्रतिशत अनुदान प्राप्त हुआ, जिससे डेयरी व्यवसाय प्रारंभ करना आर्थिक रूप से सहज और व्यावहारिक बन गया। योजना के तहत उन्होंने 10 स्वदेशी नस्ल की साहीवाल एवं गिर गायों पर आधारित आधुनिक डेयरी इकाई स्थापित की। सरकार द्वारा प्राप्त सहयोग ने उन्हें न केवल आर्थिक संबल दिया, बल्कि आधुनिक पशुपालन अपनाने का आत्मविश्वास भी प्रदान किया।

डेयरी इकाई की स्थापना के बाद श्री मतेन्द्र सेंगर ने वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित पशुपालन पद्धतियों को अपनाया। पशुओं के संतुलित पोषण, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, स्वच्छ रख-रखाव और आधुनिक प्रबंधन के कारण उनकी डेयरी की उत्पादकता लगातार बढ़ी। वर्तमान में उनकी डेयरी से प्रतिदिन लगभग 100 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है। नियमित दुग्ध उत्पादन और प्रभावी विपणन व्यवस्था के कारण उनकी औसत वार्षिक आय लगभग 18 लाख रुपये तक पहुंच गई है। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई, बल्कि खेती के साथ पशुपालन भी आय का स्थायी और भरोसेमंद स्रोत बन गया है।

इस सफलता का प्रभाव केवल उनकी आय तक सीमित नहीं रहा। आधुनिक डेयरी इकाई के संचालन से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित हुए हैं। पशुओं की देखभाल, दुग्ध संग्रहण, चारा प्रबंधन और अन्य गतिविधियों से आसपास के लोगों को भी रोजगार मिलने लगा है। इस प्रकार यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति देने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार को भी प्रोत्साहित कर रही है। श्री मतेन्द्र सेंगर का मानना है कि यदि उन्हें सरकार की इस योजना का सहयोग नहीं मिला होता, तो इतनी बड़ी आधुनिक डेयरी इकाई स्थापित करना संभव नहीं था। वे अपनी सफलता का श्रेय उत्तर प्रदेश सरकार तथा दुग्धशाला विकास विभाग को देते हुए कहते हैं कि मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना ने उन्हें केवल आर्थिक सहायता ही नहीं दी, बल्कि आत्मविश्वास के साथ एक सफल डेयरी उद्यमी बनने का अवसर भी प्रदान किया। आज वे अन्य किसानों और पशुपालकों को भी आधुनिक डेयरी व्यवसाय अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार की यह योजना स्वदेशी गोवंश के संरक्षण और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के अंतर्गत साहीवाल, गिर, थारपारकर एवं गंगातिरी जैसी स्वदेशी नस्लों पर आधारित हाईटेक डेयरी इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा इस योजनान्तर्गत10 स्वदेशी गायों की डेयरी इकाई के लिए 23.60 लाख रुपये की अनुमानित परियोजना लागत निर्धारित की गई है, जिसमें 15 प्रतिशत लाभार्थी अंश, 35 प्रतिशत बैंक ऋण तथा अधिकतम 50 प्रतिशत (11.80 लाख रुपये तक) अनुदान उपलब्ध कराया जाता है। अनुदान की राशि दो समान किस्तों में दी जाती है, जिससे लाभार्थियों को डेयरी इकाई स्थापित करने में आर्थिक सुविधा मिलती है।

इस योजना के अंतर्गत खरीदी जाने वाली गायों का प्रदेश के बाहर से अधिकृत ब्रीडिंग ट्रैक्टर के माध्यम से क्रय, सभी पशुओं की ईयर टैगिंग तथा बीमा कराना अनिवार्य किया गया है। आधुनिक एवं मानकीकृत कैटल शेड का निर्माण, वैज्ञानिक पशुपालन व्यवस्था तथा आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का विकास भी योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके साथ ही लाभार्थी के पास डेयरी इकाई के लिए लगभग 0.20 एकड़ भूमि तथा चारा उत्पादन के लिए लगभग 0.80 एकड़ भूमि उपलब्ध होना आवश्यक है। इन प्रावधानों का उद्देश्य केवल डेयरी इकाई स्थापित करना नहीं, बल्कि उसे दीर्घकाल तक सफल और लाभकारी बनाए रखना है।

आज श्री मतेन्द्र सेंगर की सफलता इस बात का सशक्त प्रमाण है कि यदि सरकारी योजनाओं का लाभ सही पात्र तक पहुंचे और उन्हें आधुनिक तकनीक तथा वैज्ञानिक प्रबंधन का सहयोग मिले, तो ग्रामीण परिवारों की आर्थिक तस्वीर बदली जा सकती है। उनकी कहानी केवल एक किसान की सफलता नहीं, बल्कि उन हजारों किसानों के लिए प्रेरणा है जो कृषि के साथ पशुपालन को जोड़कर अपनी आय बढ़ाना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार किसानों की आय दोगुनी करने, स्वदेशी गोवंश के संरक्षण, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

पीलीभीत में क्लासमेट ने दौड़ा-दौड़ाकर चाकू मारे, बैग में छिपाकर लाया था

मेडिकल कॉलेज में छात्रा की एकतरफा प्यार में हत्या

■ कशिश पैरामेडिकल की छात्रा थी। वह 10 महीने से पीलीभीत में रहकर सीटी स्कैन का कोर्स कर रही थी।

■ ये आरोपी सागर सिंह है। पुलिस आरोपी से पूछताछ करने में जुटी है।

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

पीलीभीत। पीलीभीत मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाली 20 साल की छात्रा की उसके क्लासमेट ने चाकू से गोदकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन मेडिकल कॉलेज के सुरक्षाकर्मियों ने उसे मौके पर ही पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस के मुताबिक, घटना सुबह करीब 9:30 बजे मेडिकल कॉलेज के सीटी स्कैन रूम की है। बरेली की रहने वाली छात्रा सीटी स्कैन रूम में थी, तभी उसके साथ पढ़ने वाला छात्र वहां पहुंचा। दोनों के बीच कहासुनी हुई। इसके बाद छात्र ने बैग से चाकू निकालकर छात्रा पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। छात्रा बचने के लिए भागी, लेकिन आरोपी ने दौड़ाकर कई वार किए। बीच-बचाव में एक महिला कर्मचारी भी घायल हुई है। छात्रा और कर्मचारी की हालत बिगड़ती जा रही थी।

बैग में छिपाकर लाया था 12 इंच का चाकू

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आरोपी पहले से हमले की तैयारी करके आया था। वह अपने बैग में करीब 12 इंच लंबा चाकू छिपाकर लाया था।

उसने बैग से चाकू निकाला और सीटी स्कैन रूम में ही कशिश पर चाकू से हमला कर दिया। यह देख महिला कर्मचारी निधि बीच बचाव के लिए दौड़ी, लेकिन सागर ने उस पर भी हमला कर दिया।

हाथ में चाकू लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

अस्पताल प्रशासन ने दोनों को भर्ती किया और प्राथमिक इलाज के बाद बरेली रेफर कर दिया। जहां, इलाज के दौरान करीब 2 बजे कशिश की मौत हो गई।

आरोपी कानपुर का रहने वाला

पुलिस के अनुसार, बरेली की रहने वाली कशिश पटेल (20) पीलीभीत मेडिकल कॉलेज में सीटी स्कैन की छात्रा थी। मंगलवार सुबह करीब 9 बजे वह कॉलेज पहुंची। वह सीटी स्कैन रूम में महिला कर्मचारी के साथ काम कर रही थी। तभी वहां कशिश के साथ पढ़ने वाला कानपुर निवासी सागर सिंह (19) भी पहुंच गया। सागर एक्सरे टेक्निकल का छात्र है।

फर्रुखाबाद में लोहिया अस्पताल के चीफ फार्मासिस्ट का निधन

आवास पर बिगड़ी तबीयत, पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव

तमसा संकेत, एजेंसी

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद के डॉ. राम मनोहर लोहिया जिला अस्पताल में तैनात चीफ फार्मासिस्ट अरविंद प्रजापति का मंगलवार सुबह निधन हो गया। उनकी तबीयत आवास पर अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कादरी गेट थाना क्षेत्र की आवास विकास कॉलोनी स्थित अपने आवास पर अरविंद प्रजापति की तबीयत बिगड़ी। उन्हें तत्काल लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में ले जाया गया, लेकिन ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल कर्मचारियों के अनुसार, चीफ फार्मासिस्ट अरविंद प्रजापति ने सुबह योग किया था, जिसकी वह नियमित प्रैक्टिस करते थे। योग के बाद वह अस्पताल गए और उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर किए।

अस्पताल से लौटने के बाद उन्हें घबराहट महसूस हुई। उन्होंने अपना रक्तचाप (बीपी) जांचा, जो बढ़ा हुआ पाया गया। इसके बाद वह घर चले गए, जहां उनकी हालत और बिगड़ गई।अरविंद प्रजापति के निधन की सूचना मिलते ही परिवार में शोक छा गया। उनके परिवार में एक विवाहित बेटी और एक बेटा है, जो डॉक्टरी की तैयारी कर रहा है। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

फास्ट न्यूज

शामली में 5 स्कूल बसों का संचालन बंद

शामली। शामली में स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाली पांच स्कूल बसों का संचालन बंद कर दिया गया है।

यह कार्रवाई परिवहन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई है। जिला प्रशासन ने 7 जुलाई को इस संबंध में निर्देश जारी किए थे।

मेरठ में नकली चाय-ऑल आउट रिफिल का भंडाफोड़

मेरठ। मेरठ के सदर बाजार थाना क्षेत्र की दाल मंडी में सोमवार रात पुलिस ने ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर नकली उत्पाद बेचने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया। पुलिस और कंपनी की जांच टीम की संयुक्त कार्रवाई में दो कारोबारियों को गिरफ्तार किया गया। छापेमारी के दौरान बड़ी संख्या में नकली टाटा टी और ऑल आउट रिफिल बरामद हुए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कॉपीराइट अधिनियम और बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, कंपनी की जांच टीम को लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं।

19 जुलाई को इस्कॉन की जगन्नाथ यात्रा

प्रयागराज। प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) 19 जुलाई को भगवान जगन्नाथ की 16वीं भव्य रथ यात्रा का आयोजन करेगा। यह यात्रा रविवार को दोपहर 3 बजे सिविल लाइंस स्थित सुभाष चौराहे से शुरू होगी। इस वर्ष रथ यात्रा पुराने शहर की बजाय सिविल लाइंस क्षेत्र से गुजरेगी, जिससे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के दर्शन का अवसर मिलेगा।

ज्ञानवापी विवाद समझौता : 7 मिनट में बाहर निकले दोनों पक्ष

काशी में जज ने बुलाया था, हिंदू पक्ष बोला- यह मस्जिद नहीं, मंदिर

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर होने वाली ज्ञानवापी मस्जिद-श्रृंगार गौरी मामले की मध्यस्थता सिर्फ 7 मिनट में विफल हो गई। दोपहर 2 बजे दोनों पक्षों से जज मुकुल आनंद पांडेय ने इस बारे में बात की। उन्होंने सबसे पहले अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी से इस मामले को मध्यस्थता से समाप्त करने की बात कही। उन्होंने इस बात को सिरे से नकार दिया। कहा कि हम समझौते से इसके हल के लिए तैयार नहीं हैं। इसके बाद हिंदू पक्ष से पूछा गया, तो उसने भी मना कर दिया। फिर जज मुकुल आनंद पांडेय अपनी कुर्सी से उठ गए। कुल 7 मिनट के अंदर पहले मुस्लिम पक्ष और फिर हिंदू पक्ष कोर्ट से बाहर आ गया। इसके

पहले दोपहर 1:36 बजे मुस्लिम पक्ष यानी अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी के वकील लोक अदालत के मनोरंजन कक्ष में पहुंचे। इस दौरान ज्ञानवापी के स्पेशल स्टेट काउंसिल भी मौजूद थे। ठीक 1.55 पर श्रृंगार गौरी मामले की वादिनी महिलाएं रेखा पाठक, लक्ष्मी देवी, सीता और मंजू व्यास अपने वकीलों सुधीर त्रिपाठी और सुभाष नंदन मनोरंजन कक्ष पहुंचे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने इस वाद में मध्यस्थता करने की बात कहते हुए सभी पक्षकारों को नोटिस जारी किया था। इस नोटिस में कहा गया था कि सभी पक्ष 14 जुलाई को सिविल कोर्ट के मेडिटेशन सेंटर में उपस्थित होकर जिला जज के सामने मध्यस्थता कर इस मामले का हल निकालें। मध्यस्थता के लिए दोनों पक्षों के कोर्ट पहुंचने से पहले वहां सुरक्षा के सख्त इंतजाम रहे। कचहरी की जिस इमारत में सुनवाई होनी थी, वहां भारी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद रहा। दोपहर 2 बजे शुरू होने वाली सुनवाई से पहले ही दोनों पक्ष कचहरी परिसर में पहुंच गए थे। सबसे पहले मुस्लिम पक्ष अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी के वकील पहुंचे। इसके बाद हिंदू पक्ष से वाद करने वाली महिलाएं अपने वकीलों के साथ पहुंचीं।

इंसाफ चाहिए चिल्लाते हुए पहुंचा युवक, बचाने में इंस्पेक्टर के हाथ झुलसे

पत्नी से तंग आकर थाने में खुद को आग लगाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नरवल (कानपुर)। कानपुर में पत्नी से परेशान होकर युवक ने मंगलवार सुबह 11 बजे थाने के गेट पर खुद को आग लगा ली। युवक चिल्लाते हुए महाराजपुर थाने के गेट पर पहुंचा। बोला- मुझे इंसाफ चाहिए। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता उसने पेट्रोल भरी बोतल निकाली और खुद पर छिड़क लिया। फिर माचिस जलाकर खुद को आग के हवाले कर दिया। देखते ही देखते युवक आग की लपटों में घिर गया। वह तड़पते हुए इधर-उधर भागने लगा। थाने में अफरा-तफरी मच गई। इंस्पेक्टर, दरोगा और सिपाही उसे बचाने के लिए दौड़े। उस पर

कंबल डाला। युवक को बचाने के चक्कर में इंस्पेक्टर-सिपाही के हाथ झुलस गए। कुछ लोग बाल्टी में पानी लेकर आए। आग बुझाई। युवक को गंभीर हालत में उर्सला हॉस्पिटल में भर्ती कराया। युवक की पहचान महेश (32) के रूप में हुई है। उसका आरोप है कि पत्नी का किसी और से अफेयर चल रहा है। मुझसे लड़ती-झगड़ती है। मारपीट करती है। ताने मारती है। मुझे उसके साथ नहीं रहना है। मंगलवार सुबह महेश ने महाराजपुर थाने में पत्नी के खिलाफ तहरीर दी। इसके बाद थाने के गेट की तरफ चला गया।

2015 में शादी हुई थी, मजदूरी कर घर चलाता है

महाराजपुर में राजथोक के फुफुवार में महेश पासी (32) पत्नी और 2 बच्चों के साथ रहता है। मजदूरी कर घर चलाता है। उसकी शादी 2015 में कानपुर के सचेंडी की रहने वाली पूनम के साथ हुई थी।दोनों के एक 8 साल का बेटा और 13 साल की बेटी है।

आए दिन लड़ते-झगड़ते थे, सोमवार को पत्नी ने मुकदमा लिखवाया

पुलिस की जांच की तो पता चला कि महेश का पूनम से लंबे समय से विवाद चल रहा है। सोमवार को भी दोनों का आपस में झगड़ा हुआ था। मारपीट तक की नौबत आ गई थी। आसपास के लोगों के समझाने पर झगड़ा शांत हुआ था। इसके बाद पूनम ने रात करीब 8 बजे महेश के खिलाफ महाराजपुर थाने में मुकदमा दर्ज करा दिया। तहरीर में लिखा कि दोपहर 12 बजे मैं घर में थी, पति महेश शराब पीकर आया और बिना कारण के भद्दी-भद्दी गालियां देने लगा। लात-घूंसों से मारने लगा।

कानपुर में 20 घंटे में गंगा 60 सेमी बढ़ी

घाट की सीढ़ियों तक पहुंचा पानी, बैराज के 30 गेट खोले गए

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। पिछले 20 घंटे में गंगा का जलस्तर करीब 60 सेंटीमीटर बढ़ गया। पानी घाटों पर सीढ़ियों तक पहुंच गया। प्रशासन ने सतर्कता बढ़ाते हुए लोगों को नदी किनारे सावधानी बरतने की चेतावनी जारी की है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर 2 बजे तक शुक्लागंज में यह बढ़कर 110.37 मीटर पहुंच गया। वहीं, सोमवार शाम 6 बजे गंगा का जलस्तर 110.18 मीटर दर्ज किया गया था। गंगा में बढ़ते जलप्रवाह को देखते हुए गंगा बैराज के 30 गेट खोल दिए गए हैं। सोमवार को बैराज से 41,933 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया था। वहीं, हरिद्वार से 44,148 क्यूसेक और नरौरा से 76,029 क्यूसेक पानी गंगा में छोड़ा गया। अधिकारियों के अनुसार, पहाड़ों से लगातार पानी आने की वजह से अगले कुछ दिनों तक जलस्तर में और बढ़ोतरी की संभावना बनी हुई है। आनंदेश्वर मंदिर घाट पर गंगा का पानी सीढ़ियों तक पहुंच गया है। घाट किनारे नावें लगनी शुरू हो गई हैं।

■ गंगा का जलस्तर से बढ़ने से घाटों पर सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया।

देहलवी ग्रुप और केयूएमए का सीएमई कार्यक्रम

यूनानी चिकित्सा में शोध और नवाचार पर हुआ मंथन

तमसा संकेत, संवाददाता

कालीकट, केरल। देहलवी ग्रुप ऑफ कंपनीज़ ने केरल यूनानी मेडिकल एसोसिएशन (KUMA) के सहयोग से होटल डिमोरा, कालीकट में सतत चिकित्सा शिक्षा (CME) कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में केरल के विभिन्न क्षेत्रों से आए यूनानी चिकित्सकों, स्वास्थ्य विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने हिस्सा लिया। इस दौरान यूनानी चिकित्सा में आधुनिक शोध, क्लिनिकल प्रैक्टिस और स्वास्थ्य क्षेत्र की नई तकनीकों पर चर्चा हुई। CME कार्यक्रम में चिकित्सकों के लिए कई वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए गए। इनमें केरल क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट, क्रॉनिक किडनी डिजीज (CKD), मानसिक स्वास्थ्य और यूनानी चिकित्सा में नवीनतम प्रगति जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्देश्य चिकित्सकों को नई चिकित्सा तकनीकों, वैज्ञानिक शोध और साक्ष्य आधारित उपचार पद्धतियों से अवगत कराना रहा। पहले वैज्ञानिक सत्र में डॉ. अब्दुल नज़ीर एम.टी. ने केरल क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट एवं पंजीकरण प्रक्रिया विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने क्लिनिकल संस्थानों से जुड़े कानूनी प्रावधानों, नियमों और स्वास्थ्य संस्थानों में वैधानिक अनुपालन के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान डॉ. ओ.के.एम. अब्दुर्रहमान द्वारा लिखित पुस्तक 7-Day Body Reset का विमोचन किया गया। उन्होंने कहा कि यूनानी चिकित्सा की परंपरा को बनाए रखने के साथ-साथ वैज्ञानिक प्रमाणिकता, गुणवत्ता और आधुनिक तकनीक को अपनाना जरूरी है।

केयूएमए अध्यक्ष ने कहा- चिकित्सा दक्षता बढ़ाने में सीएमई की अहम भूमिका

कार्यक्रम का शुभारंभ KUMA सचिव डॉ. सैयद मोहसिन के स्वागत भाषण से हुआ। इसके बाद KUMA अध्यक्ष डॉ. यू. मुजीब ने अध्यक्षीय संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि सतत चिकित्सा शिक्षा चिकित्सकों की पेशेवर क्षमता बढ़ाने, वैज्ञानिक सोच को मजबूत करने और स्वास्थ्य क्षेत्र में हो रहे बदलावों से जुड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

100 साल की विरासत के साथ आगे बढ़ रहा देहलवी ग्रुप

देहलवी ग्रुप सत्र को संबोधित करते हुए चेयरमैन हकीम मोहसिन देहलवी ने कंपनी की 100 वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वर्ष 1926 में हकीम गुलाम किब्रिया ख़ान (हकीम भूरे मियां) द्वारा शुरू किया गया बड़ा दवाखाना आज आधुनिक अनुसंधान आधारित स्वास्थ्य संस्थान के रूप में विकसित हो चुका है।

देहलवी ग्रुप ने विकसित किए कई आधुनिक यूनानी उत्पाद

हकीम मोहसिन देहलवी ने बताया कि देहलवी ग्रुप ने भारत में पहली बार कई शुगर-फ्री यूनानी उत्पाद विकसित किए हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी प्री-क्लिनि-कल अध्ययन, क्लिनिकल मूल्यांकन और वैज्ञानिक शोध के जरिए यूनानी चिकित्सा को वैश्विक स्तर पर मजबूत करने के लिए काम कर रही है। हकीम मोहसिन देहलवी ने केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (CCRUM), आयुष मंत्रालय और देहलवी ग्रुप के बीच हुए 10 वर्षीय समझौता ज्ञापन (MoU) की जानकारी दी।

ढहा : मस्जिद को भी बुलडोजर से तोड़ा जा रहा, 100 से ज्यादा जवान तैनात

ईदगाह की 25 फीट की मीनार ढहाई

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल। यूपी के संभल में ईदगाह और मस्जिद पर मंगलवार दोपहर 3 बजे से बुलडोजर चल रहा है। 25 फीट ऊंची ईदगाह की मीनार ढहा दी गई है। अब बाकी हिस्सा तोड़ा जा रहा है। मौके पर पुलिस, पीएसी और RAF के 100 जवान तैनात हैं। 2 नायब तहसीलदारों और 8 लेखपाल भी मौजूद हैं। आसपास के लोगों के आने पर रोक लगा दी गई है। इससे पहले, दोपहर ढाई बजे दो मकानों को भी तोड़ा गया। प्रशासन का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई की जा रही है। 6 बीघा जमीन पर अवैध कब्जा किया गया था। इसमें 4 बीघा जमीन सरकारी कब्रिस्तान की है। इसी जमीन के 70 वर्गमीटर हिस्से में ईदगाह और मस्जिद बना दी गई थी। वहीं, बाकी 2 बीघा जमीन गांव की एक महिला की है, जिस पर दो लोगों ने जबरन कब्जा कर लिया था। मामला असमोली थाना क्षेत्र का है।

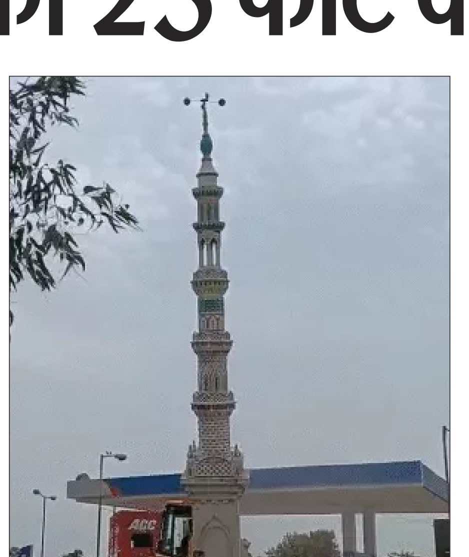

क्यों हुआ ईदगाह-मस्जिद और मकानों पर एक्शन

■ **ईदगाह-मस्जिदः** जनवरी- 2026 में ग्रामीणों ने तत्कालीन डीएम राजेंद्र पैंसिया से सरकारी कब्रिस्तान की जमीन पर बनी ईदगाह और मस्जिद की शिकायत की थी। उन्होंने पैमाइश कराई, जिसमें निर्माण अवैध मिला। इसके बाद 21 अप्रैल, 2026 को तहसीलदार कोर्ट ने ईदगाह और मस्जिद को हटाने का आदेश दिया था।

■ **दो मकान अवैध हैं:** अब्बास हैदर ने बताया कि 2022 में उनकी मां मुबशरा खातून ने 6 लाख रुपए में जमीन खरीदी थी। लेकिन, गांव के शमशाद-इफ्तखार ने उस पर कब्जा कर मकान बना लिए थे। 2022 में मां ने SDM कोर्ट में शिकायत की थी। SDM ने 2025 में उनके पक्ष में फैसला सुनाया, लेकिन दोनों हाईकोर्ट पहुंच गए। हाईकोर्ट ने भी उनके पक्ष में फैसला दिया और एसडीएम ने कार्रवाई करने को कहा। SDM ने 8 जुलाई को मकान तोड़ने का आदेश दिया था।

2022 में हुई थी मामले की शिकायत

दो बीघे जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत गांव की मुबशशरा खातून ने 2022 की थी। उनके बेटे अब्बास हैदर ने बताया- 2022 में हमने आने मोहम्मद पुत्र मुजूर हुसैन से 6 लाख में जमीन खरीदी थी। लेकिन दोनों आरोपियों ने इस जमीन पर अपना दावा करते हुए मकान बना लिए।

2025 में फैसला हमारे पक्ष में आया। लेकिन विरोधियों ने फैसले के खिलाफ एसडीएम कोर्ट में अपील कर दी। इसके बाद हम लोगों ने मामले को लेकर हाई कोर्ट में अपील की। हाई कोर्ट ने एसडीएम से जवाब मांगते हुए बेदखली के आदेश दे दिए। इस पर 8 जुलाई 2026 को एसडीएम ने अवैध मकानों को तोड़ने का आदेश देकर कोर्ट को कार्रवाई से अवगत कराया।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा वेस्ट मेट्रो को जल्द मिल सकती है मंजूरी

15-20 जुलाई के बीच पीआईबी के सामने होगा प्रेजेंटेशन, 1.25 लाख लोगों को मिलेगा फायदा

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा। नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) की सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-4 (किसान चौक) तक प्रस्तावित मेट्रो परियोजना अब अहम पड़ाव पर पहुंच गई है। परियोजना का प्रेजेंटेशन 15 से 20 जुलाई के बीच नई दिल्ली में पब्लिक इनवेस्टमेंट बोर्ड (पीआईबी) के सामने होगा। इसमें परियोजना की जरूरत, उपयोगिता और वित्तीय पक्ष को प्रस्तुत किया जाएगा। प्रेजेंटेशन के बाद मंजूरी मिलने पर निर्माण प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है। एनएमआरसी के प्रबंध निदेशक कृष्णा करुणेश ने बताया कि मेट्रो परियोजनाएं केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के अधीन आती हैं। एनएमआरसी भारत सरकार का उपक्रम है। ऐसे में पीआईबी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद परियोजना को आगे बढ़ाने की कार्रवाई तेज होगी।

प्रस्तावित मेट्रो कॉरिडोर सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के किसान चौक तक जाएगा। करीब 7.5 किलोमीटर लंबे इस रूट की अनुमानित लागत 900 करोड़ रुपये है। इस कॉरिडोर पर पांच मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे, जिनमें सेक्टर-61, सेक्टर-70, सेक्टर-122, सेक्टर-123 और ग्रेटर नोएडा वेस्ट सेक्टर-4 (किसान चौक) शामिल हैं। यह लाइन आरआरटीएस कॉरिडोर से अलग होगी और नोएडा व ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बीच सीधा संपर्क उपलब्ध कराएगी।

यह मेट्रो लाइन भविष्य में गाजियाबाद से जेवर एयरपोर्ट तक प्रस्तावित आरआरटीएस नेटवर्क से भी जुड़ेगी। इससे यात्रियों को मेट्रो और आरआरटीएस के माध्यम से जेवर एयरपोर्ट तक आसान और निर्बाध यात्रा की सुविधा मिलेगी। परियोजना पूरी होने में लगभग दो वर्ष लग सकते हैं। इसके बाद गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और दिल्ली के बीच बेहतर परिवहन नेटवर्क तैयार होगा।

जैंत पुलिस ने 2.90 करोड़ की चोरी का किया खुलासा, चार अंतरराज्यीय चोर गिरफ्तार

साधक की जीवनभर की कमाई पर डाका

कार्यवाई

2 करोड़ नकद समेत 2.60 करोड़ की संपत्ति बरामद

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। थाना जैंत पुलिस ने सुनरख क्षेत्र में हुई करीब 2 करोड़ 90 लाख रुपये की बड़ी चोरी का खुलासा करते हुए चार अंतरराज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 करोड़ रुपये नकद समेत कुल 2 करोड़ 60 लाख 12 हजार रुपये की संपत्ति बरामद की है। बरामद सामान में चोरी की रकम से खरीदी गई फॉक्सवैगन वर्टस कार, टाटा पंच कार, सोने-चांदी के आभूषण, महंगे मोबाइल फोन और ब्रांडेड सामान शामिल हैं। पुलिस के अनुसार गुजरात के गांधीनगर निवासी राकेश प्रजापति अपने बेटे के वृंदावन स्थित आश्रम में दीक्षित होने के बाद धार्मिक जीवन अपनाने के उद्देश्य से सुनरख में

रहने लगे थे। उन्होंने गुजरात में अपनी संपत्ति बेचकर मिली करीब 2.90 करोड़ रुपये की जीवनभर की जमा पूंजी घर में रखी हुई थी। चोरी के बाद आरोपियों ने पीड़ित को मामला दबाने के लिए धमकाने का प्रयास किया। डर के कारण पीड़ित कुछ समय के लिए गुजरात लौट गए, जहां उनकी तबीयत भी खराब हो गई। बाद में उन्होंने थाना जैंत पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच के लिए विशेष टीम गठित की।

प्लॉट दिखाने के बहाने ले गए, घर से उड़ाई नकदी

पुलिस जांच में सामने आया कि पीड़ित की पहचान सुनरख निवासी आलोक और राजन से हुई थी।

आरोप है कि दोनों ने सूरत निवासी अपने साथियों प्रेम सागर और हीरेन के साथ मिलकर चोरी की योजना बनाई।

योजना के तहत आलोक पीड़ित को प्लॉट दिखाने के बहाने मांट क्षेत्र ले गया।

इसी दौरान उसके तीन साथियों ने घर का ताला तोड़कर अलमारी और दीवान में रखी पूरी नकदी चोरी कर ली।

सर्विलांस की मदद से चारों आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने मंगलवार तड़के सुनरख रोड से एनएच-19 जाने वाले मार्ग पर घेराबंदी कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ के बाद पुलिस ने उनके पास से—

- 2 करोड़ रुपये नकद
- फॉक्सवैगन वर्टस कार
- चोरी में इस्तेमाल टाटा पंच कार
- एप्पल, सैमसंग और वीवो मोबाइल फोन
- सोने-चांदी के आभूषण
- ब्रांडेड कपड़े, जूते और घड़ियां
- जिम और स्विमिंग किट

पुलिस टीम को मिली बड़ी सफलता

इस कार्रवाई को थाना जैंत पुलिस और सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम ने अंजाम दिया।

आगरा में फ्रिज की बर्फ से बनी शिवलिंग जैसी आकृति

लोग चमत्कार समझ कर रहे पूजा-अर्चना, चढ़ा रहे पैसे, वीडियो हो रहा वायरल

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। अमरनाथ यात्रा के बीच आगरा से एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह वीडियो मंगलवार का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में एक घर के फ्रिज के अंदर जमी बर्फ की आकृति शिवलिंग जैसी दिखाई दे रही है। वीडियो वायरल होने के बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच रहे हैं। वीडियो में लोग आकृति की पूजा-अर्चना, जलाभिषेक और उसके सामने चढ़ावा चढ़ाते हुए भी नजर आ रहे हैं। मामला आगरा के खेरिया मोड़ स्थित नगला भुजा क्षेत्र का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो के अनुसार, घर के फ्रिज में जमी बर्फ ने शिवलिंग जैसी आकृति का रूप ले लिया। इसकी जानकारी फैलने

के बाद आसपास के लोग वहां पहुंचने लगे और देखते ही देखते श्रद्धालुओं की भीड़ जुट गई। और लोग इस आकृति को बाबा बर्फानी से जोड़ रहे हैं। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति यह दावा करता हुआ सुनाई देता है कि, ₹अमरनाथ में बाबा बर्फानी की बर्फ पिघल चुकी है, लेकिन यहां भोलेनाथ प्रकट हो गए हैं। अब लोग यहां दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।₹ वहीं, वीडियो में एक महिला यह दावा करती हुई भी नजर आती है कि बर्फ से बनी आकृति पर 'ॐ' का निशान भी बना हुआ है। वायरल वीडियो के आधार पर इलाके में लोगों की भीड़ जुटने की बात कही जा रही है। वीडियो में कई लोग आकृति को भगवान शिव का स्वरूप मानकर पूजा करते, जलाभिषेक करते और चढ़ावा चढ़ाते दिखाई दे रहे हैं। वहीं, कुछ लोग इसे फ्रिज में जमी बर्फ से बनी प्राकृतिक आकृति बता रहे हैं। फिलहाल, ऐसा कोई वैज्ञानिक या आधिकारिक प्रमाण सामने नहीं आया है, जिससे यह पुष्टि हो सके कि फ्रिज में बनी यह आकृति किसी चमत्कार का परिणाम है। इसलिए वायरल वीडियो में किए जा रहे दावों की पुष्टि होना बाकी है और इन्हें सत्यापित तथ्य के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

फास्ट न्यूज

'भगवान के धन पर गिद्ध दृष्टि रखना दुर्भाग्य'

मथुरा। राम मंदिर आंदोलन की प्रमुख चेहरों में शामिल साध्वी ऋतम्भरा की राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण पर प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा– भगवान के धन पर गिद्ध दृष्टि रखना शर्मनाक है। साध्वी ऋतम्भरा सोमवार शाम प्रख्यात संत गिरिशानंद महाराज की कथा में शामिल होने के लिए श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आश्रम पहुंचीं थीं। इस दौरान उन्होंने विजय मारू की पुस्तक 'रिटायर्ड–60 नॉट आउट' का विमोचन भी किया।

मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार

मथुरा। मथुरा में हत्या के मामले में फरार चल रहे दो बदमाशों को पुलिस ने सोमवार रात मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। रात करीब 10:30 बजे सूचना मिलने पर नौहझील थाना पुलिस ने घेराबंदी की। पुलिस को देखकर दोनों बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें दोनों के बाएं पैर में गोली लग गई। इसके बाद पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया। घायल बदमाशों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। सीओ मांट अमरनाथ यादव ने बताया कि सूचना मिली थी।

मुरादाबाद जिला पंचायत की प्रशासक बनीं डॉ. शैफाली सिंह चौहान

मुरादाबाद। मुरादाबाद जिला पंचायत अध्यक्ष का कार्यकाल पूरा होने के बाद डॉ. शैफाली सिंह चौहान ने सोमवार को जिला पंचायत के प्रशासक का कार्यभार ग्रहण कर लिया। प्रदेश में पहली बार ऐसा हुआ है, जब जिला पंचायत अध्यक्षों को ही कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रशासक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।
इससे पहले यह जिम्मेदारी प्रशासनिक अधिकारियों को दी जाती थी।

छात्रा का 3 दिन बाद भी नहीं लगा सुराग

मुरादाबाद में प्रेमी जोड़े ने रामगंगा में लगाई थी छलांग

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में 3 दिन पहले रामगंगा नदी में छलांग लगाने वाले प्रेमी जोड़े में से युवती का 3 दिन बाद भी सुराग नहीं लगा है। युवती की तलाश में 20 किमी की दूरी तक फ्लड यूनिट रामगंगा में सर्च कर चुकी है।

मंगलवार को चौथे दिन भी सर्च ऑपरेशन जारी है। लेकिन सुबह 10 बजे तक युवती के कोई जानकारी नहीं हो सकी थी। जबकि युवक का शव 28 घंटे के बाद रविवार शाम को रामगंगा से मिला था। जिसे पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया था। बता दें कि शनिवार को दोपहर करीब 12 बजे कटघर के सूरजनगर पीतल बस्ती निवासी तुषार गोस्वामी (20 साल) मोहल्ले में ही रहने वाली अपनी गर्लफ्रेंड के साथ रामगंगा पुल पर पहुंचा था। कटघर थाना क्षेत्र में ही दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे के बाईपास पर रामगंगा नदी पर बने पुल के ऊपर तुषार ने अपनी बुलेट बाइक खड़ी की थी। इसके बाद वो अपनी गर्लफ्रेंड से कुछ देर बातें करता रहा था। थोड़ी देर बाद दोनों ने एक दूसरे के हाथ पकड़कर पुल से रामगंगा नदी में छलांग लगा दी थी। नदी में कूदने से पहले उसने अपने ताऊ को कॉल किया था।

पति को पीटने वाले आरपीएफ जवान बर्खास्त हों, यूपी में हजारों रेलकर्मी सड़क पर उतरे

रेलवे अफसर की पत्नी फूट-फूटकर रोई, बोली- जान दे दूंगी

12 जुलाई को आरपीएफ जवानों ने रेलवे अफसर से मारपीट की थी

तमसा संकेत, एजेंसी

एरा। आगरा में रेलवे अफसर को प्लेटफॉर्म पर घसीटकर पीटने के विरोध में पूरे प्रदेश में प्रदर्शन तेज हो गया है। पीड़ित डिप्टी स्टेशन सुपरिटेंडेंट नरेंद्र चाहर की पत्नी हरेंद्री चाहर ने मंगलवार दोपहर डेढ़ बजे मीडिया से कहा- अगर दोषी RPF जवानों को बर्खास्त नहीं किया गया, उनकी गिरफ्तारी नहीं की गई तो मैं जान दे दूंगी। उन्होंने रोते हुए कहा- इतनी बेरहमी से मेरे पति को पीटा गया कि घटना का वीडियो देखा भी नहीं जा रहा है। मैं अपने पति के लिए ऐसा कभी बर्दाश्त नहीं कर सकती। अगर न्याय नहीं मिला, पति का सम्मान वापस नहीं आया तो मैं जान दे दूंगी। इतना कहते हुए वह साड़ी से चेहरा

ढककर बिलख पड़ीं। फूट-फूट कर रोने लगीं। इससे पहले सुबह 10.30 बजे से आगरा, मथुरा, झांसी समेत 30 शहरों में रेलकर्मियों ने RPF के खिलाफ प्रदर्शन किया। आगरा में 1000 से ज्यादा रेल कर्मचारी सड़क पर उतर आए। DRM ऑफिस के बाहर RPF जवानों के सामने नारेबाजी की। महिला कर्मचारियों ने भी RPF मुर्दाबाद और हाय-हाय के नारे लगाए।

डीएसएस नरेंद्र चाहर ने कहा- अगर मैं रिश्वत लेते पकड़ा जाता तो तुरंत जेल में होता। लेकिन, जो कानून को जानते हैं, उन्होंने जानबूझकर अवैध वसूली की, उनके लिए कोई जेल नहीं बनी क्या? क्या वो आज गिरफ्तार हो पाएंगे? या तो वो गिरफ्तार होंगे या रेल चलेगी। मेरा पूरा परिवार पटरी पर बैठा है।

दरअसल, कैंट रेलवे स्टेशन पर रविवार को ट्रेन रोकने को लेकर रेलवे पुलिस बल (RPF) और डिप्टी स्टेशन सुपरिटेंडेंट (DSS) के बीच विवाद हो गया था। एक महिला यात्री ट्रेन में नहीं चढ़ पाई थी। DSS नरेंद्र चाहर ने उसकी मदद के लिए ट्रेन रुकवा दी। RPF जवानों ने महिला को चेन पुलिंग के आरोप में पकड़ लिया। नरेंद्र चाहर ने विरोध किया तो RPF जवानों ने मारपीट शुरू कर दी। उन्हें प्लेटफॉर्म पर घसीटते हुए ले गए। स्टेशन पर मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया था। वीडियो सामने के बाद रेलवे कर्मचारियों भड़क गए। कोटा, झांसी, दिल्ली सहित देश के कई शहरों से रेलवे कर्मचारी आगरा पहुंचने लगे।

रेलवे कर्मचारियों की मांग है कि दोषियों की गिरफ्तारी हो।

बरेली में आईएएस बताकर शादी करने वाली महिला गिरफ्तार

40 लाख रुपए मांगे थे, नहीं देने पर झूठे केस में फंसाने की दी धमकी

तमसा संकेत, एजेंसी

फरीदपुर। बरेली के फरीदपुर में एक महिला ने खुद को आईएएस अधिकारी बताकर फेसबुक के जरिए एक युवक से दोस्ती की, फिर प्रेम संबंध बनाकर शादी कर ली। आरोप है कि शादी के बाद महिला ने पति से 40 लाख रुपये की मांग की। रकम नहीं मिलने पर झूठे मुकदमों में फंसाने, परिवार को बर्बाद करने और जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी महिला को रविवार को बदायूं से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पीड़ित युवक ने पुलिस को बताया कि उसकी पहचान फेसबुक पर महिला से हुई थी। महिला ने अपने प्रोफाइल पर खुद को आईएएस अधिकारी बताया था। बातचीत बढ़ने के बाद

दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और उन्होंने शादी कर ली। शादी के कुछ समय बाद महिला का व्यवहार बदल गया। उसने पति और उसके परिवार पर रुपये देने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। महिला ने 40 लाख रुपये की मांग की। विरोध करने पर झूठे मुकदमों में फंसाने और पूरे परिवार को बर्बाद करने की धमकी दी। युवक ने यह भी आरोप लगाया कि महिला ने उसकी हत्या का प्रयास किया। मामले की शिकायत मिलने पर फरीदपुर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच में आरोपों के समर्थन में साक्ष्य मिलने के बाद बदायूं जिले के बिल्सी थाना क्षेत्र के गांव सतौती निवासी महिला को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने सोमवार को उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। फरीदपुर के इंस्पेक्टर राधेश्याम ने बताया कि जांच के दौरान पर्याप्त साक्ष्य मिले हैं। इसी आधार पर आरोपी महिला के खिलाफ कार्रवाई की गई है। मामले की विवेचना अभी जारी है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मथुरा में घाटों तक पहुंचा यमुना का पानी

14 में से 7 सीढ़ियां डूबी, हथिनी कुंड-ओखला बैराज से पानी छोड़े जाने से बढ़ा जलस्तर

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। पहाड़ी इलाकों में हुई बारिश का असर अब मथुरा-वृंदावन में भी दिखने लगा है। घाटों से दूर बह रही यमुना अब घाटों तक पहुंच गई है। इससे घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ गई है, जबकि निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ने लगी है। हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज और ओखला बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद यमुना का जलस्तर बढ़ा है। इसका असर वृंदावन के केशीघाट पर साफ दिखाई दे रहा है। यहां 14 में से 7 सीढ़ियां पानी में डूब गई हैं। पानी आने से केशीघाट पर चल रहा रिवर फ्रंट का निर्माण कार्य भी फिलहाल रोक दिया गया है। पिछले 24 घंटे में यमुना का जलस्तर करीब दो फीट बढ़ा है। सोमवार को ओखला बैराज से 20 हजार क्यूसेक और हथिनी कुंड बैराज से 7 हजार क्यूसेक पानी

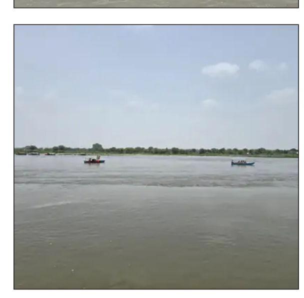

छोड़ा गया। यह पानी बुधवार शाम तक मथुरा पहुंचने की संभावना है। यमुना में पानी बढ़ने के बाद घाटों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही भी बढ़ गई है। लोग स्नान और आचमन कर रहे हैं, जबकि नाविक श्रद्धालुओं को नाव से यमुना की सैर करा रहे हैं।

हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज और ओखला बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद यमुना का जलस्तर बढ़ा है।

नदी का जलस्तर चेतावनी निशान से करीब 1.30 मीटर नीचे

मथुरा में यमुना का खतरे का निशान 166 मीटर और चेतावनी का निशान 165.20 मीटर है। फिलहाल नदी का जलस्तर चेतावनी निशान से करीब 1.30 मीटर नीचे है। पिछले वर्ष बाढ़ के दौरान यमुना का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर करीब 168 मीटर तक पहुंच गया था, जिससे मथुरा-वृंदावन के कई इलाके जलमग्न हो गए थे। पिछले साल की बाढ़ को देखते हुए निचले इलाकों में रहने वाले लोग इस बार भी सतर्क हैं। हालांकि प्रशासन का कहना है कि फिलहाल चिंता की कोई बात नहीं है।

पृष्ठ 01 का शेष...

धार भोजशाला ...

और परिसर में नमाज अदा करने पर रोक लगा दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने मामले की सुनवाई की। हालांकि, कोर्ट ने फिलहाल अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। यानी पहले जैसी व्यवस्था बहाल नहीं होगी, जिसके तहत शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय को नमाज और निर्धारित दिनों में हिंदू पक्ष को पूजा की अनुमति थी। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सभी पक्षों से जवाब मांगा है। अब इस विवाद पर आगे की सुनवाई बाद में होगी। मुस्लिम पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुजैफा अहमदी की मांग स्वीकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) कोर्ट की पूर्व अनुमति के बिना भोजशाला परिसर में कोई भी संरचनात्मक बदलाव नहीं करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि मामले की अंतिम सुनवाई करीब तीन सप्ताह बाद की जाएगी। मामले की सुनवाई शुरू होते ही मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मुस्लिम पक्ष की याचिकाओं पर नोटिस जारी करने का फैसला किया। साथ ही, मामले को अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए। मुस्लिम पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने दलील दी कि हाईकोर्ट के फैसले से परिसर में वर्षों से चली आ रही धार्मिक व्यवस्था पूरी तरह बदल गई है। उन्होंने अदालत को बताया कि लंबे समय से शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय नमाज अदा करता था, जबकि मंगलवार को हिंदू पक्ष को पूजा की अनुमति थी। हाईकोर्ट के आदेश के बाद मुस्लिम समुदाय को परिसर में प्रवेश और नमाज से वंचित कर दिया गया है। उन्होंने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की रिपोर्ट और उसके आधार पर दिए गए निष्कर्षों पर भी सवाल उठाए। वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने भी मुस्लिम पक्ष की ओर से पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का फैसला पूजा स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1991 की भावना और प्रावधानों के विपरीत है। उनका कहना था कि परिसर में लंबे समय से नमाज अदा की जाती रही है और इसके समर्थन में कई सरकारी अभिलेख भी उपलब्ध हैं। ऐसे में लंबे समय से चली आ रही व्यवस्था को बदलना कानून के अनुरूप नहीं माना जा सकता। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि हाईकोर्ट के फैसले के बाद प्रशासन ने पूरे मामले को शांतिपूर्ण ढंग से संभाला है। उन्होंने कहा कि आदेश लागू होने के बाद क्षेत्र में किसी भी प्रकार की कानून-व्यवस्था संबंधी समस्या सामने नहीं आई और प्रशासन ने सामाजिक सौहार्द बनाए रखा है। गौरतलब है कि 15 मई 2026 को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने अपने फैसले में भोजशाला परिसर को मां सरस्वती का मंदिर माना था। अदालत ने परिसर में नमाज अदा करने पर रोक लगाते हुए हिंदू पक्ष को पूजा-अर्चना का अधिकार दिया था। हाईकोर्ट का यह फैसला भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की सर्वे रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर सुनाया गया था। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। अब सर्वोच्च अदालत सभी पक्षों की दलीलें, एएसआई रिपोर्ट, ऐतिहासिक अभिलेख और कानूनी पहलुओं का परीक्षण करेगी। अदालत ने संकेत दिए हैं कि मामले की विस्तृत सुनवाई अगले दो से तीन सप्ताह के भीतर की जा सकती है। इस फैसले पर देशभर की नजरें टिकी हुई हैं, क्योंकि इसका प्रभाव केवल भोजशाला विवाद तक सीमित नहीं, बल्कि धार्मिक स्थलों से जुड़े अन्य मामलों पर भी पड़ सकता है।

होर्मुज में जहाजों ...

ईरान की संसद के करीब 180 सांसदों ने सरकार से अमेरिका के साथ हुए समझौता ज्ञापन (MoU) को खत्म मानने की मांग की है। यह मांग अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने समझौते को समाप्त घोषित कर दिया था। सांसदों ने जारी बयान में कहा कि ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की हत्या का बदला लेने की नीति जारी रहेगी। उन्होंने संसद नेतृत्व से अमेरिका के साथ होने वाली किसी भी बातचीत की समीक्षा के लिए एक विशेष समिति बनाने और सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई द्वारा तय शर्तों के पालन की निगरानी करने की भी मांग की। ईरान में जंग शुरू होने के बाद पहली बार संसद का सत्र मंगलवार को शुरू हुआ जिसके बाद यह फैसला लिया गया। 28 फरवरी से पश्चिम एशिया में जारी ईरान-अमेरिका संघर्ष के दौरान खाड़ी क्षेत्र में 13 भारतीयों की मौत हो चुकी है, जबकि 3 भारतीय अब भी लापता हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी दी है। संघर्ष शुरू होने के बाद होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों पर कई हमले हुए हैं। इससे होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही भी प्रभावित हुई है। संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में हिरासत में रखे गए 55 ईरानी मछुआरे अब अपने देश लौट रहे हैं। होर्मुज स्ट्रेट में जारी तनाव के बीच भारत से जुड़े 11 जहाज और 148 भारतीय नाविक फिलहाल फारस की खाड़ी में फंसे हुए हैं। ये सभी जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने का इंतजार कर रहे हैं। सरकार ने फारस की खाड़ी से निकासी के लिए भारत से जुड़े 11 जहाजों की पहचान की है। इनमें 7 भारतीय ध्वज वाले जहाज और 4 भारत के लिए सामान लेकर आने वाले विदेशी जहाज शामिल हैं। इन चार जहाजों में उर्वरक की खेप है। मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, फरवरी में संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक भारत के लिए सामान लेकर 57 जहाज होर्मुज स्ट्रेट पार कर चुके हैं। इनमें 21 भारतीय ध्वज वाले और 36 विदेशी ध्वज वाले जहाज शामिल हैं। 13 जुलाई तक विभिन्न शिपिंग कंपनियां 3,918 नाविकों को सुरक्षित निकाल चुकी हैं। मंत्रालय के अनुसार, अब तक भारतीय ध्वज वाले जहाजों से जुड़े 4 और भारतीय चालक दल वाले विदेशी जहाजों से जुड़े 23 हादसे दर्ज किए गए हैं। इन घटनाओं में 7 लोगों की मौत, एक व्यक्ति के लापता होने, एक के मृत माने जाने और 4 लोगों के घायल होने की सूचना है।अबू धाबी स्थित ईरानी दूतावास ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। दूतावास के मुताबिर, 14 मछुआरे समुद्री रास्ते से ईरान लौट चुके हैं, जबकि बाकी लोगों को हवाई मार्ग से वापस भेजा जाएगा। दूतावास ने बताया कि ये मछुआरे ज्यादातर सिस्तान-बलूचिस्तान और होरमोजगान प्रांत के रहने वाले हैं। उन्हें मार्च और अप्रैल में तटरक्षक बल ने हिरासत में लिया था। उस समय क्षेत्र में बने हालात के कारण जहाजों की नेविगेशन ट्रैकिंग प्रणाली प्रभावित हो गई थी।

11 साल में तीसरी...

जो सामान्य बारिश 250.1 मिमी से 3% कम है। वहीं, उत्तर प्रदेश में 1 जून से 13 जुलाई के बीच 161.6 मिमी बारिश हुई, जो कि औसतन 199.7 मिमी से 19% कम है। राजस्थान में पिछले 24 घंटे में कहीं भी बारिश नहीं हुई। श्रीगंगानगर में अधिकतम पारा 41.5C रहा। पूर्वोत्तर में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बिहार, असम, मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल में लैंडस्लाइड और बाढ़ की खबरें सामने आ रही हैं। सोमवार को अरुणाचल के कुरुंग कुमे जिले में कुमे नदी में बाढ़ के बाद भारत-चीन सीमा (LAC) के पास टापा बॉर्डर आउटपोस्ट पर तैनात ITBP के 15 जवानों से संपर्क टूट गया।

गुजरात के अंबाजी ...

पुलिस ने जांच के बाद मंदिर के तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल सभी आरोपी जमानत पर बाहर हैं। यह चोरी उस समय हुई थी, जब भंडारगृह में नोटों की गिनती की जा रही थी। रुपये का बंडल छुपाने के बाद चिराग ठाकोर बाथरूम जाने के बहाने निकल रहा था। इसके बाद मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष ने ठाकोर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी। अदालत ने भी तीनों 5 दिन की रिमांड पर भी भेजा था।

दावा- ट्रेनिंग में दूर-दूर दिखे, कोटक ने मैसेज पास किए

क्या कोहली और गंभीर के बीच बातचीत बंद है

अनबन की अटकलें तेज

अनबन

> विराट कोहली करीब 5 महीने के बाद भारतीय टीम में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने पिछला मुकाबला 18 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ इंदौर में खेला था। उसके बाद वे जून अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में चोट के कारण हिस्सा नहीं रहे सके थे। उन्हें आईपीएल 2026 के फाइनल में इंजरी हुई थी।

बर्मिंघ, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से ठीक पहले विराट कोहली और गौतम गंभीर के बीच अनबन की अटकलें हैं। इन अटकलों को टाइम्स नॉउ न्यूज की रिपोर्ट ने हवा दी है, जिसमें दावा किया गया है कि कोहली और गंभीर के बीच बातचीत नहीं हो रही है। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला वनडे आज बर्मिंघम में खेला जाना है।

रिपोर्ट के मुताबिक बर्मिंघम में सोमवार को प्रैक्टिस सेशन के दौरान कोहली और गंभीर ने एकदूसरे को नजरअंदाज किया। गंभीर ने कप्तान शुभमन गिल, रोहित शर्मा, केएल राहुल समेत ज्यादातर खिलाड़ियों से बात की। लेकिन, कोहली की नेट प्रैक्टिस दूर से देखते रहे। उन्होंने नेट्स के बाद कोहली से बात करने के लिए बैटिंग कोच सुतांशु कोटक को भेजा।

कोहली ने पहले फील्डिंग ड्रिल्स कीं, उसके बाद सीधे नेट्स में जाकर 30-40 मिनट बल्लेबाजी की। फिर विराट नेट्स से बाहर निकल आए।

नेट्स के बाद सितांशु कोटक उनसे जाकर मिले और लंबी बातचीत की। इतना ही नहीं, गंभीर जब टीम के अन्य खिलाड़ियों से बात कर रहे थे तो कोहली उन्हें इग्नोर करते हुए अपने किट बैग के साथ आगे निकल गए।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने मैच से पहले कहा कि विराट कोहली 2027 वनडे वर्ल्ड कप की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में विराट के साथ टीम कॉम्बिनेशन और भविष्य की रणनीति पर चर्चा हुई। गिल ने कहा कि रोहित और विराट का अनुभव टीम के लिए बेहद अहम रहेगा।

विराट कोहली ने नेट्स से पहले फुटबॉल खेला और फील्डिंग ड्रिल्स की।

पहले भी कोहली-गंभीर में अनबन के दावे

कोहली और गंभीर के बीच अनबन के दावे पहले भी होते रहे हैं। गंभीर टीम इंडिया का हेड कोच बनने से पहले कोहली के खिलाफ कई बार बयानबाजी कर चुके हैं। कोहली और गंभीर कई बार मैदान पर लड़ भी चुके हैं। ताजा मामला साल 2023 का है, इकाना स्टेडियम में बेंगलुरु-लखनऊ मैच के बाद दोनों में तीखी बहस हुई थी।

धोनी सीएसके के मेंटर बन सकते हैं संजू सैमसन कप्तानी की रेस में सबसे आगे

चेन्नई, एजेंसी

महेंद्र सिंह धोनी चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के मेंटर बन सकते हैं। हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग के 18 साल बाद टीम छोड़ने के बाद फ्रेंचाइजी बड़े बदलाव की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक CSK मैनेजमेंट धोनी को मेंटर की जिम्मेदारी सौंपने पर विचार कर रहा है। हालांकि, इस पर अंतिम फैसला उनकी सहमति के बाद ही लिया जाएगा। अगर धोनी खिलाड़ी के तौर पर टीम से जुड़े रहना चाहते हैं, तो फ्रेंचाइजी उनके फैसले का सम्मान करेगी। पिछले सीजन घुटने की चोट के कारण वह एक भी मैच नहीं खेल पाए थे। साथ ही, टीम नए कप्तान की भी तलाश में है और संजू सैमसन इस रेस में सबसे आगे माने जा रहे हैं। आखिरी सीजन में ऋतुराज गायकवाड ने चेन्नई की कप्तानी की थी। 45 साल के धोनी IPL में 100 मैच जीतने वाले एकमात्र कप्तान हैं। उन्होंने IPL में सबसे ज्यादा 226 मैचों में कप्तानी की है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं। उन्होंने 158 मैचों में कप्तानी की है।

धोनी ने अपनी कप्तानी में CSK को 2023 में आखिरी बार चैंपियन बनाया था। उसी फाइनल में उन्होंने आखिरी बार कप्तानी भी की थी। धोनी अपनी कप्तानी में टीम को 133 मैचों में जीत दिला चुके हैं, जबकि 91 में टीम को हार मिली।

IPL में सबसे ज्यादा मैच खेलने वालों में महेंद्र सिंह धोनी पहले पायदान पर हैं। वह अब तक 278 मैच खेल चुके हैं। धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार खिताब जिताया है। उन्होंने 38.30 की औसत से 5439 रन बनाए है। इस दौरान धोनी ने 24 अर्धशतक भी लगाया। उन्होंने विकेटकीपिंग में 47 स्टंपिंग और 158 कैच भी लपके हैं।

भारत ने लॉर्ड्स का पहला महिला टेस्ट जीता इंग्लैंड को 270 रन से हराया

यस्तिका का शतक, 7 विकेट लेने वाली क्रांति प्लेयर ऑफ द मैच

लंदन, एजेंसी

लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड के 142 साल के इतिहास में पहली बार खेला गया महिला टेस्ट भारतीय टीम ने जीत लिया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने इंग्लैंड को 270 रन से हरा दिया। भारतीय टीम बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों विभागों में मेजबान टीम पर भारी पड़ी।

रनों के लिहाज से यह भारतीय महिला टीम की दूसरी सबसे बड़ी टेस्ट जीत रही। इससे पहले टीम ने 2023 में इंग्लैंड को ही 347 रन से हराया था। भारत को आज तक इंग्लैंड में महिला टेस्ट में हार नहीं मिली है। टीम ने यहां अब तक 11 टेस्ट खेले हैं, जिनमें 3 जीते हैं, जबकि 8 मुकाबले ड्रॉ रहे।

भारत ने पहली पारी में 285 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड 170 पर सिमट गई। भारत को 115 रन की बढ़त मिली। भारत ने दूसरी पारी 341 रन पर घोषित की और 457 रन का टारगेट दिया। इंग्लैंड 186 पर ऑलआउट हो गई। 1884 में इसी मैदान का पहला टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की पुरुष टीमों के बीच खेला गया। यहां पहला महिला टेस्ट मैच होने में 142 साल लग गए। 10 जुलाई 2026 को भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों ने पहला टेस्ट खेला।

यस्तिका भाटिया लॉर्ड्स में शतक लगाने वाली पहली महिला टेस्ट क्रिकेटर बनीं। क्रांति इस ग्राउंड पर 5 विकेट लेने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने दोनों पारियों में फिफ्टी लगाई। उन्होंने पहली पारी में 83 और दूसरी पारी में 70 रन बनाए।

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और शेफाली वर्मा बिना खाता खोले आउट हो गईं। इसके बाद स्मृति मंधाना (83), कप्तान हरमन-प्रीत कौर (58) और दीप्ति शर्मा (57) की पारियों से भारत ने 285 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से सोफी एक्लेस्टोन और लॉरेन फिलर ने 2-2 विकेट लिए।

जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 170 रन पर सिमट गई। क्रांति गौड़ ने 5 विकेट झटके।

जेडेन लेनोक्स ने 19 रन देकर 5 विकेट लिए, 3 मैचों की वनडे सीरीज 1-1 से बराबर

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

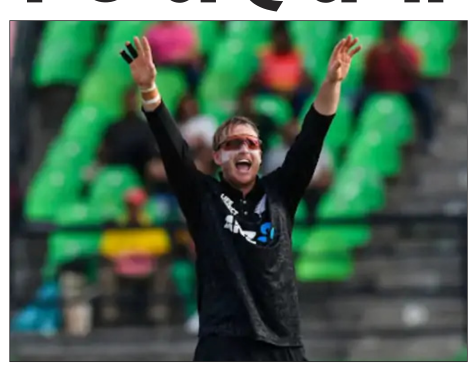

न्यूजीलैंड ने दूसरे वनडे मैच में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हरा दिया है। गयाना में खेले गए इस मैच में जेडेन लेनोक्स के फाइव विकेट हॉल की बदौलत न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को महज 138 रनों पर समेट दिया।

वेस्टइंडीज की टीम ने अपने आखिरी 10 विकेट सिर्फ 75 रन के अंदर गंवा दिए। 139 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने 5 विकेट खोकर आसानी से जीत हासिल कर ली। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने 3 मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है।

कप्तान मिचेल सेंटनर ने भी दो अहम विकेट लिए। उन्होंने जॉन कैंपबेल और पिछले मैच के हीरो कीसी कार्टी को क्लीन बोल्ड किया।

न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने इस मुकाबले में कुल 9 विकेट लिए। यह वनडे इतिहास में एक पारी में न्यूजीलैंड के स्पिनरों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। शुरुआती स्पेल के बाद जैकब डफी और मैथ्यू फिशर की जगह पूरी पारी में स्पिनरों ने गेंदबाजी संभाली। 139 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन 35 रन के बाद टीम ने 17 रन के भीतर तीन विकेट गंवा दिए। विल यंग एलबीडब्ल्यू हुए, जबकि मार्क चैपमैन बिना खाता खोले रन आउट हो गए।

इसके बाद टॉम लैथम और डेरिल मिचेल ने पारी संभाली।

जेडेन लेनोक्स न्यूजीलैंड के तीसरे सबसे सफल वनडे स्पिनर बने

न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के स्पिनर जेडेन लेनोक्स इस मैच के सबसे बड़े हीरो रहे। उन्होंने सिर्फ 19 रन देकर 5 विकेट चटकाए। यह उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले खेले गए 6 वनडे मैचों में लेनोक्स कभी भी 2 से ज्यादा विकेट नहीं ले पाए थे। उनके पहले चार विकेट क्लीन बोल्ड के रूप में आए। इस शानदार प्रदर्शन के साथ ही लेनोक्स न्यूजीलैंड के पुरुषों के वनडे इतिहास में तीसरे सबसे बेस्ट आंकड़े दर्ज करने वाले स्पिनर बन गए हैं। इस लिस्ट में पहले नंबर पर ईश सोढ़ी (6/39) और दूसरे नंबर पर डेनियल विटोरी (5/7) का नाम शामिल है।

63 रन की ओपनिंग साझेदारी के बाद बिखरी वेस्टइंडीज

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद शानदार रही थी। ओपनर जॉन कैंपबेल और अकीम ऑगस्टे ने पहले विकेट के लिए 63 रनों की मजबूत पार्टनरशिप की। पावरप्ले के आखिर में दोनों ने तेजी से रन बनाए, लेकिन इसके बाद न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने मैच का रुख बदल दिया।

माइकल ब्रेसवेल ने पहली सफलता दिलाई, जिसके बाद वेस्टइंडीज ने लगातार विकेट गंवाए। टीम 138 रन पर ऑलआउट हो गई। जॉन कैंपबेल ने सबसे ज्यादा 43 रन बनाए। अमीर जांगू ने 20 रन की पारी खेली, जबकि बाकी कोई बल्लेबाज 20 रन तक नहीं पहुंच सका।

मनोरंजन

3 इडियट्स के 'चतुर' ने जताई चिंता जीनत अमान ने कहा- अपने अच्छे दिमाग को चुपचाप मरते हुए मत देखिए

नहीं चाहता फुंसुख वांगडू मर जाएं : ओमी वैध

नई दिल्ली, एजेंसी

लद्दाख के एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल का आज यानी 14 जुलाई को 17वां दिन है। NEET पेपर लीक मुद्दे पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) जंतर-मंतर पर 20 जून से प्रदर्शन कर रही है। इसी में वांगचुक भी अनशन पर बैठे हैं।

वांगचुक की हड़ताल को लेकर बॉलीवुड के लोग उनके समर्थन में आए हैं। '3 इडियट्स' में चतुर रामलिंगम का किरदार निभा चुके ओमी वैद्य ने कहा, ' मैं नहीं चाहता कि यह इंसान मर जाए। मेरे लिए वह एक प्रेरणादायक व्यक्ति हैं। मैं चाहता हूं कि वह सुरक्षित रहें और जिंदा रहें।' वांगचुक को धूप से बचाने के लिए अस्थायी तिरपाल लगाया गया था, लेकिन पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों में बाधा का हवाला देते हुए उसे हटाने का निर्देश दिया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।वांगचुक को धूप से बचाने के लिए अस्थायी तिरपाल लगाया गया था, लेकिन पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों में बाधा का हवाला देते हुए उसे हटाने का निर्देश दिया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। ओमी ने आगे कहा,मैं उनसे मिल चुका हूं। वह बहुत ही दिलचस्प और सादगी पसंद इंसान हैं। उन्होंने अपनी जिंदगी में कई बेहतरीन काम किए हैं। इसलिए मैं आपसे कहूंगा कि उनके बारे में जानिए और देखिए कि इस समय वह क्या कर रहे हैं।

> वहीं, एक्ट्रेस जीनत अमान ने एक पोस्ट में लिखा कि मैं वांगचुक की मांगों का सम्मान करती हूं। मेरी भारत सरकार से अपील है कि इस मुद्दे पर उनसे बातचीत करें। यह भारत के भविष्य से जुड़ा है।

ओमी ने वीडियो जारी कर लोगों से ध्यान देने की अपील की

ओमी वैद्य ने एक वीडियो मैसेज जारी कर कहा कि आज मैं आपसे एक जरूरी बात करना चाहता हूं। मैं अक्सर ऐसे वीडियो नहीं बनाता, इसलिए मेरी बात ध्यान से सुनिए। क्या आपको पता है कि 3 इडियट्स में आमिर खान का किरदार फुंसुख वांगडू असल जिंदगी के लद्दाख के इंजीनियर, इनोवेटर, शिक्षक और समाज सुधारक सोनम वांगचुक से प्रेरित था?

टॉम क्रूज को देख फैंस हैरान शानदार है डिग्गर का ट्रेलर

बाहर निकला पेट, चेहरे पर झुर्रियां और बिखरे बाल

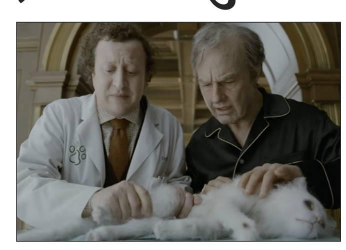

नई दिल्ली। दुनियाभर में अगर सुपरस्टार्स की गिनती होती है, तो उसमें टॉम क्रूज का नाम सबसे पहले आता है। टॉम क्रूज को अबतक आपने कई अलग-अलग किरदारों में देखा होगा लेकिन अब टॉम क्रूज एक अवतार में दिखने जा रहे हैं। हाल ही में टॉम क्रूज की फिल्म डिगर (Digger) का ट्रेलर रिलीज किया गया है। इस फिल्म में टॉम क्रूज अरबपति ऑयल कारोबारी डिगर रॉकवेल की भूमिका में नजर आएंगे। ट्रेलर में दिखता है कि उनकी लाइफ बेहद लग्जरी से भरी हुई है। फिल्म में टॉम एक ऐसे तेल कारोबारी कि किरदार में हैं, जो दुनिया के सबसे ताकतवर लोगों में आते हैं। डिगर रॉकवेल की एक कंपनी है जिसकी वजह से पर्यावरण आपदा आई है और इसके अलावा दिखाया गया है कि कैसे परमाणु युद्ध का खतरा सामने आ गया है। बर्फ से पिघलते पहाड़ और पर्यावरण को होता नुकसान, यही सब ट्रेलर में दिखा है। अब डिगर इसी के लिए मसीहा बनने की राह पर जाता है।

ट्रेलर में सबसे ज्यादा चर्चा टॉम क्रूज (Tom Cruise) के लुक देखा जा सकता है कि उनके चेहरे पर अजीब सी झुर्रियां हैं। फिल्म के ट्रेलर को देखने के बाद आप सोचने पर मजबूर हो जाएंगे कि आखिरकार क्या वाकई में यह टॉम क्रूज ही हैं। 64 साल के टॉम क्रूज का लुक इंटरनेट पर भी लोगों को हैरान कर रहा है।

बाहर निकला पेट, बिखरे हुए बाल और चेहरे पर झुर्रियां... देखने वाले भी टॉम के इस लुक को देखकर हैरान हैं। हालांकि सोशल मीडिया पर फिलहाल तो इसी की चर्चा ज्यादा हो रही है।

जरीन खान पैपराजी पर भड़कीं, कहा- हद में रहकर बात करो, बर्दाश्त नहीं करूंगी, फोटोग्राफर ने सामने ड्रेस ट्राई करने को कहा

‘फालतूगिरी मत करना’

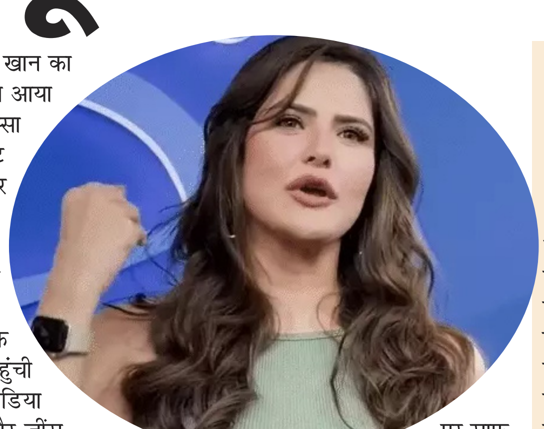

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस जरीन खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें वे पैपराजी पर बुरी तरह गुस्सा करती नजर आ रही हैं। एक ब्रांड इवेंट के दौरान जरीन ने पैपराजी को फटकार लगाते हुए कहा की मेरे साथ फालतूगिरी की बातें नहीं करना। उन्होंने सख्त लहजे में सामने वाले को अपनी हद में रहने की हिदायत दी।

दरअसल जरीन खान मुंबई में एक क्लोदिंग ब्रांड के प्रमोशन इवेंट में पहुंची थीं। वे हरे रंग की ड्रेस पहने हुए मीडिया के कैमरों के सामने डेनिम जैकेट और जींस को डिस्प्ले कर रही थीं। इसी दौरान वहां मौजूद पैपराजी ने उनसे कहा की ड्रेस ट्राई करके दिखाओ।

एक्ट्रेस को ये बात बिल्कुल पसंद नहीं आई। जरीन खान ने कहा, ‘फालतूगिरी की बातें नहीं करना मेरे साथ, क्योंकि मैं ऐसी चीजें बर्दाश्त करने वालों में से नहीं हूं। अपनी हद में रहकर बात करना। यह बात कहते हुए जरीन के चेहरे पर साफ तौर पर गुस्सा देखा जा सकता है। वहीं, पिछले महीने सलमान खान भी पैपराजी पर भड़क गए थे। दरअसल, वे हिंदुजा अस्पताल पहुंचे थे, जहां से निकलते समय पैपराजी के शोर से एक्टर भड़क गए थे।

हालांकि, बाद में जब सलमान फिल्म राजा शिवाजी की सक्सेस पार्टी में पहुंचे, तब सभी पैपराजी ने उनसे माफी मांगी थी। सलमान जैसे ही पार्टी में पहुंचे, वैसे ही सभी पैपराजी ने उन्हें घेर लिया और माफी मांगने लगे। सभी एक साथ, ‘सॉरी भाईजान, जोर से बोलो सॉरी’, कहते दिखे। इसके बाद सलमान ने भी उनकी माफी कबूल कर ली थी।

गोविंदा के बॉडीगार्ड्स की हुई बहस

बता दें कि इस पहले गोविंदा के बॉडीगार्ड्स की भी पैपराजी से बहस हो चुकी है। दरअसल, गोविंदा पिछले एक इवेंट में पहुंचे थे। वहां से निकलते हुए उन्हें पैपराजी ने घेर लिया था। जब उनके गार्ड्स ने निकलने की जगह बनाने के लिए लोगों को पीछे किया, तो पैपराजी ने आरोप लगाया कि उन्हें धक्का दिया गया। विवाद बढ़ने पर गोविंदा को खुद बीच-बचाव करना पड़ा था।

हाल ही में नेहा धूपिया भी दे चुकीं हिदायत

इससे पहले गोल्ड स्ट्रीमिंग अवॉर्ड सेरेमनी में नेहा धूपिया पैपराजी पर भड़क गई थीं। एक्ट्रेस ने बैक शॉट लेने और उन्हें पोस्ट करने पर नाराजगी जाहिर की और पैपराजी को कड़े शब्दों में वॉर्निंग भी दी। सेरेमनी से नेहा धूपिया अवॉर्ड लेकर निकल रही थीं। तभी पैपराजी ने उनके ग्रे हेयर पर कमेंट किया, जिसके जवाब में भड़कते हुए उन्होंने कहा है, ‘बोल लिया? कर लिया? ये बदतमीजी से बैक शॉट कौन लेता है तुम लोगों में से? कौन लेता है? छापता कौन है? मत करो। मेरा नहीं करना है, किसी का नहीं करना है। बोल-बोलकर थक गए हैं।’ आगे एक्ट्रेस ने कहा, ‘हम लोगों का काम नहीं है ये। हम बाहर आते हैं, तो आप लोग वहां ये सब करते हैं, बैग उठाकर, बुक उठाकर, पीछे से चलते हुए, ये सब नहीं चलेगा अभी। बंद करो ये सब। बहुत इज्जत से आप लोगों से बात करते हैं, ये सब मत करो। मत करो, बिल्कुल ये सब मत करो।’

मलाइका अरोड़ा ने लगाई थी पैपराजी की क्लास

कुछ समय पहले ही मलाइका अरोड़ा का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वो पैपराजी पर गुस्सा करती दिखी थीं। दरअसल, एक इवेंट के बाद मलाइका एक शख्स से बात कर रही थीं, लेकिन पैपराजी प्राइवेसी देने के बजाए लगातार उनका वीडियो ले रहे थे। ये देख एक्ट्रेस भड़क गईं और कहा- इधर ही आ जाओ।

होर्मुज में तेल टैंकरों पर मिसाइल हमले किए थे ■ अमेरिका की ईरान पर 5 घंटे बमबारी

ईरानी हमले में भारतीय की मौत, डिप्लोमेट तलब

निंदा

ट्रम्प बोले- होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर 20% टैक्स : अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा करेगा। इसके बदले हर कार्गो पर 20% शुल्क वसूलेगा। ईरानी जहाजों और उसके ग्राहकों पर नई पाबंदियां लागू कीं।

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

होर्मुज स्ट्रेट में ईरान ने सोमवार देर रात UAE के दो तेल टैंकरों पर क्रूज मिसाइलों से हमला किया। हमले में एक भारतीय की मौत हो गई, जबकि 6 भारतीय नागरिकों समेत 8 लोग घायल हैं।

भारत ने मंगलवार सुबह ईरान के उप राजदूत मोहम्मद जवाद हुसैनी समेत ईरानी डिप्लोमेट्स को तलब किया। विदेश मंत्रालय ने घटना पर गंभीर चिंता जताई और ईरानी मिशन से जवाब मांगा।

इधर, अमेरिका ने मंगलवार सुबह ईरान पर करीब पांच घंटे बमबारी की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, बुशहर, चाबहार, जास्क, कोनार्क, अबू मूसा और बंदर अब्बास स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। ईरान का जवाब- सुरक्षा हम देते हैं, लेकिन 20% ज्यादाः ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ट्रम्प के बयान का जवाब देते हुए कहा कि सुरक्षित समुद्री रास्ता उपलब्ध कराने वाले को भुगतान मिलना चाहिए और यह जिम्मेदारी हमेशा से ईरान निभाता आया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 20 प्रतिशत तो बहुत ज्यादा है। हम उचित शुल्क लेंगे।

अमेरिका ने ईरान के सबमरीन और नेवल बेस पर हमला कियाः CENT-COM ने बंदर अब्बास स्थित सबमरीन और नेवल मेंटेनेंस फैसिलिटी पर सी-ड्रोन से हमला किया। अईरान की नौसैनिक क्षमता को निशाना बनाया।

ईरान बोला- होर्मुज पर कंट्रोल नहीं छोड़ेंगेः सुप्रीम लीडर के सलाहकार मोहम्मद मोखबर ने कहा कि होर्मुज पर नियंत्रण बनाए रखेंगे। अमेरिका के दखल और दबाव के आगे नहीं झुकेंगे। अमेरिका-ईरान तनाव के बीच रूस का स्पेशल कमांड एयरक्राफ्ट Tu-214PU तेहरान पहुंचा। यह विमान परमाणु या बड़े युद्ध के दौरान राष्ट्रपति और सेना के कमांड सेंटर के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। इस बीच अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले गैर रजिस्टर्ड जहाजों पर हमलों का आरोप लगाते हुए ईरान पर अपना नौसैनिक प्रतिबंध (नेवल ब्लॉकेड) फिर से लागू कर दिया है। इससे दुनिया भर में ऊर्जा आपूर्ति और तेल के कारोबार को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है।

टैंकरट्रैकर्स के मुताबिक, ईरान ने पिछले 26 दिनों में 8 करोड़ बैरल कच्चा तेल और रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पाद निर्यात किए हैं। इसकी अनुमानित कीमत 6 अरब डॉलर है।

होर्मुज स्ट्रेट पर बढ़े तनाव के बीच चीन की अपील

ईरान के बंदर अब्बास के पास होर्मुज के पानी में बच्चे खेलते हुए। पीछे विस्फोट के बाद उठता धुएं का गुबार दिखाई दे रहा है। तस्वीर 3 जुलाई की है। ईरान के बंदर अब्बास के पास होर्मुज के पानी में बच्चे खेलते हुए। पीछे विस्फोट के बाद उठता धुएं का गुबार दिखाई दे रहा है। तस्वीर 3 जुलाई की है। चीन ने अमेरिका और ईरान से होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही जल्द बहाल करने की अपील की है। इस अहम रास्ते से जहाजों के आने-जाने को लेकर दोनों देशों के बीच फिर से तनाव बढ़ने के बाद बीजिंग ने यह बयान दिया। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि चीन तनाव कम कराने के लिए लगातार कोशिश करता रहेगा।

भारत ने ईरान के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया

भारत ने होर्मुज स्ट्रेट में UAE के टैंकर एमटी अल बहियाह और एमटी मोंबासा पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इन दोनों जहाजों पर 30 भारतीय नाविक सवार थे। हमले में एक भारतीय की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में ईरान के उप राजदूत को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। भारत ने क्षेत्र में तुरंत हिंसा रोकने, नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर सुरक्षित आवाजाही व निर्बाध व्यापार बहाल करने की मांग की है।

■ ईरान के बंदर अब्बास के पास होर्मुज के पानी में बच्चे खेलते हुए। पीछे विस्फोट के बाद उठता धुएं का गुबार दिखाई दे रहा है। तस्वीर 3 जुलाई की है।

कुवैत ने यूएई के टैंकरों पर ईरानी हमले की निंदा की

कुवैत ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे यूएई के दो तेल टैंकरों पर ईरान के हमले की कड़ी निंदा की है। कुवैत के विदेश मंत्रालय ने इस हमले को निंदनीय बताते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन है और समुद्री आवाजाही तथा वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है। कुवैत ने इस मामले में यूएई के साथ एकजुटता जताई और क्षेत्र में जारी सैन्य संघर्ष को तुरंत रोकने की अपील की।

फास्ट न्यूज

ईरान हमले पर ट्रंप का समर्थन करने वाले लिंडसे ग्राहम की मौत पर तेहरान में जश्न

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की ओर से ईरान पर किए गए हमले का समर्थन करने वाले सीनेटर लिंडसे ग्राहम की मौत पर तेहरान में जश्न का माहौल है। वह ईरान को अलग-थलग करने और परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के बड़े समर्थक थे। इस बीच, हमशहरी अखबार ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी राष्ट्रपति और दूसरे अमेरिकी अधिकारियों की अचानक मौत हो सकती है।

'20% बहुत अधिक, हम उचित रहेंगे'

तेहरान। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले सभी कार्गो जहाजों पर 20 प्रतिशत शुल्क वसूलने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की योजना का कड़ा विरोध किया है। ईरान के विदेश मंत्री ने पलटवार करते हुए कहा है कि अमेरिका नहीं, बल्कि ईरान हमेशा से इस जलमार्ग का सच्चा रक्षक रहा है। जो कोई भी होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान करता है, उसे इस सेवा के लिए मुआवजा मिलना चाहिए। लेकिन ईरान हमेशा से इस जलडमरूमध्य का रक्षक रहा है और हमेशा रहेगा।

पाकिस्तान में विदेशी महिलाओं से दुष्कर्म के मामले में आरोपितों की रिमांड चार दिन बढ़ी

लाहौर। पाकिस्तान की एक अदालत ने दो विदेशी महिलाओं के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार चार संदिग्ध आरोपितों की रिमांड चार दिन के लिए बढ़ा दी। आरोपितों में पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार का एक रिश्तेदार भी शामिल है। दो महिलाओं में से एक नीदरलैंड की और दूसरी वेनेजुएला की रहने वाली थी।

अमेरिका ने ईरान के खिलाफ पहली बार किया सी-ड्रोन का इस्तेमाल

अमेरिकी सेना ने ईरान के पनडुब्बी रखरखाव केंद्र पर हमला किया

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी सेना ने ईरान में पनडुब्बी और जहाज के रखरखाव के सेंटर पर हमला किया है। सेंट्रल कमांड ने सोमवार को बताया कि सेना ने रविवार को कई ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए इन ठिकानों पर हमले किए।

सेंट्रल कमांड ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, ₹कल CENT-COM की सेनाओं ने कई वन-वे अटैक ड्रोन का इस्तेमाल करके ईरान में पनडुब्बी और जहाज के रखरखाव की सुविधा पर सफलता-पूर्वक हमला किया।

ये हमले ऐसे समय में हो रहे हैं जब अमेरिका और ईरान अपने पुराने रूप में वापस लौट आए हैं। एक तरफ जहां अमेरिका ईरान के ठिकानों पर हमले कर रहा है तो वहीं ईरान कतर, बहरीन, जॉर्डन और ओमान समेत मिडिल-ईस्ट के आस-पास के देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर हमले कर रहा है।

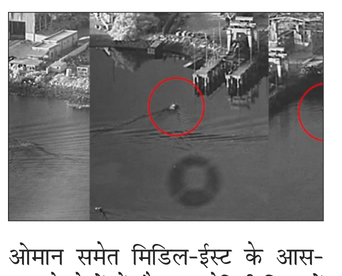

अमेरिका ने ईरान के अहम बंदर अब्बास पोर्ट पर हमला किया। यह पहली बार था जब अमेरिकी सेना ने कॉम्बैट ऑपरेशन में समुद्री ड्रोन का इस्तेमाल किया था। सेंट्रल कमांड ने कहा, ₹पिछली रात के हमलों ने ईरान की कमर्शियल शिपिंग पर हमला जारी रखने की क्षमता को कम कर दिया है। यह घटना अमेरिकी सेना के उस बयान के कुछ घंटों बाद हुई है जिसमें उसने कहा था कि सोमवार को उसने दर्जनों ठिकानों पर हमले किए। इनमें एयर डिफेंस सिस्टम, रडार साइट, मिसाइल और ड्रोन उपकरण तथा छोटी नावें शामिल थीं।

'खुला रहेगा होर्मुज स्ट्रेट'

होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने के ईरानी दावों को खारिज करते हुए ट्रंप ने कहा, ₹होर्मुज खुला है और हमेशा खुला रहेगा। चाहे ईरान साथ दे अथवा न दे।₹ हाल ही में हुए यूएस-ईरान हमलों ने जून में हुई अंतरिम डील को खतरे में डाल दिया है। ईरानी समाचार एजेंसियों 'फार्स' और 'तस्नीम' की रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार को दक्षिण-पश्चिमी ईरान में कुवैत और इराक के पास तेल उत्पादक इलाके में यूएस के हमलों में दो लोगों की मौत हो गई।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से 2 हफ्ते में रिपोर्ट मांगी, त्योहारों पर मनमाना किराया लेती हैं एयरलाइंस

सरकार तय करेगी हवाई किराया रेगुलेट करने के नियम तैयार

■ सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने बेंच से कहा- हवाई किराया 300% तक बढ़ जाता है। इस पर बेंच ने मजाक में कहा- वकीलों की फीस भी कई बार 400% तक बढ़ जाती है, अब क्या किया जाए।

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को 2 हफ्तों में हवाई किराया तय करने के नियम सौंपने को कहा है। त्योहारों के समय एयरलाइंस कंपनियों की ओर से मनमाने तरीके से किराया बढ़ाने को लेकर सोमवार को कोर्ट में सुनवाई हुई।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच इस मामले से जुड़ी एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान जब केंद्र ने बताया कि हवाई किराया कंट्रोल करने के नियम तैयार हैं और इन्हें 30 दिन में संसद में पेश किया जाएगा।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, नियम संसद में पेश हों या न हो, लेकिन सरकार को अगले दो हफ्तों के भीतर इसकी एक कॉपी 'सीलबंद लिफाफे' में कोर्ट में जमा करनी होगी। मामले की अगली सुनवाई अब 3 अगस्त को होगी। इससे पहले 30 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने एक पिटीशन पर एफिडेविट फाइल न करने के लिए केंद्र की खिंचाई की थी, जिसमें भारत में प्राइवेट एयर-लाइन्स के हवाई किराए और सहायक चार्ज में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव को कंट्रोल करने के लिए रेगुलेटरी गाइडलाइंस की मांग की गई थी।

कोर्ट ने केंद्र से एक एफिडेविट के साथ एक एप्लिकेशन फाइल करने को कहा था, जिसमें यह बताने के निर्देश दिए गए थे कि एफिडेविट फाइल क्यों नहीं किया गया है। इसके लिए और समय क्यों मांगा गया है।

दो एयरलाइन का किराया अलग-अलग क्यों

इससे पहले सोशल एक्टिविस्ट एस लक्ष्मीनारायणन ने एयरलाइंस कंपनियों की ओर से टिकटों के दामों में उतार-चढ़ाव और यात्रियों से मनमाना किराया वसूलने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका लगाई थी, जिसकी सुनवाई 15 मई को हुई थी। उनकी मांग थी कि, देश में मजबूत और स्वतंत्र रेगुलेटर बनाया जाए, जो एयरलाइनों के किराए और एक्स्ट्रा चार्जेस पर निगरानी रखे।

हिंदू समाज ने हाई कोर्ट में याचिका लगाई, नीलामी की प्रक्रिया गलत होने का आरोप

ब्रिटेन में मंदिर की जगह मुस्लिमों को बेचने पर विवाद

बर्मिंघम को 24-25 का बजट संतुलित करने के लिए 2,883 करोड़ रु. की संपत्तियां बेचने का लक्ष्य रखना पड़ा। नॉटिंघम का 2025-26 घाटा 267 करोड़ और चार वर्षों का कुल अनुमानित अंतर 689 करोड़ रु. था।

लंदन, एजेंसी

लंदन से 120 किमी दूर पीटरबरो में 40 साल पुराने मंदिर और कम्युनिटी सेंटर की बिक्री को पर विवाद हो गया है। पीटरबरो सिटी काउंसिल ने न्यू इंग्लैंड कॉम्प्लेक्स को नीलामी के बाद एक मुस्लिम संस्था, यूनाइटेड किंगडम इस्लामिक मिशन, को बेचने का फैसला किया है। इसी परिसर में भारत हिंदू समाज का मंदिर चलता है, जो शहर और आसपास रहने वाले हजारों हिंदुओं का प्रमुख पूजा और सांस्कृतिक केंद्र है। फैसले से नाराज भारत हिंदू समाज ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर बिक्री प्रक्रिया को चुनौती दी है।

भारत हिंदू समाज संगठन का आरोप है कि काउंसिल ने मंदिर की करीब 40 साल पुरानी धार्मिक और सामुदायिक भूमिका को नजरअंदाज किया। नीलामी के मूल्यांकन में भी गंभीर खामियां रहीं। बता दें कि फरवरी 2026 में हाई कोर्ट ने अंतरिम रोक लगाते हुए काउंसिल को बिक्री पूरी करने जैसे किसी भी कदम से रोक दिया था।

अब न्यायिक समीक्षा में यह जांच हो रही है कि फैसला लेने की प्रक्रिया कानून के मुताबिक थी या नहीं। मंदिर प्रबंधन ने साफ किया है कि उसका विरोध मुस्लिम संस्था से नहीं, बल्कि काउंसिल के फैसले और प्रक्रिया से है। अब कोर्ट जांच करेगा कि संपत्ति बेचने का फैसला कानून और समानता के नियमों के मुताबिक लिया गया था या नहीं।

■ पीटरबरो के मंदिर के अंदर पूजा की तस्वीर।

मंदिर बंद होने से 56 किमी दूर जाने को मजबूर होंगे हिंदू

भारत हिंदू समाज का कहना है कि पीटरबरो का यह मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि इलाके के 4,000 हिंदुओं का एकमात्र सामाजिक-सांस्कृतिक केंद्र भी है। यदि यह परिसर बंद होता है, तो हिंदुओं को पूजा-अर्चना व त्योहारों के लिए निकटतम मंदिर (कैंब्रिज-56 किमी) या (लेस्टर-64 किमी) का रुख करना पड़ेगा।

■ भारत हिंदू समाज संगठन का आरोप है कि काउंसिल ने मंदिर की करीब 40 साल पुरानी धार्मिक और सामुदायिक भूमिका को नजरअंदाज किया।

पीटरबरो का विवाद ब्रिटेन में अकेला नहीं है। यहां की काउंसिलें बढ़ते खर्च व कम सरकारी मदद के कारण सामाजिक परिसर, स्पोर्ट्स सेंटर व कम्युनिटी भवन बेचकर बजट संभाल रही हैं।

मिसाइल अलर्ट के बाद कीव में गूंजे धमाके

कीव, एजेंसी

यूक्रेनी वायुसेना द्वारा मिसाइल हमले की चेतावनी दिए जाने के बाद मंगलवार को आधी रात को यूक्रेन की राजधानी कीव में सिलसिलेवार धमाकों की आवाज सुनी गई। कीव के मेयर विटाली क्लित्स्को ने मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर जानकारी देते हुए कहा कि राजधानी में एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय रूप से काम कर रहा है। दुश्मन कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला कर रहा है। उन्होंने आगे बताया कि इन हमलों के कारण कीव के दक्षिण में स्थित होलोसीवस्की जिले में आग लग गई है। राजधानी में आधा दर्जन धमाकों की आवाज सुनाई देने से पहले ही हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बजने लगे थे। पिछले महीने से, रूस द्वारा कीव को बड़े पैमाने पर मिसाइल हमलों का निशाना बनाया जा रहा है। इन हमलों में विशेष रूप से बैलिस्टिक हथियारों का उपयोग किया जा रहा है, जो अत्यधिक तेज होते हैं और जिन्हें हवा में रोक पाना या नष्ट करना काफी मुश्किल होता है। गौरतलब है कि इससे पहले 1 से 2 जुलाई की मध्यरात्रि को हुई बड़े पैमाने पर रूसी बमबारी में 30 लोगों की मौत हो गई थी। यह मिसाइल हमला ऐसे समय में हुआ है जब ठीक एक दिन पहले सोमवार को यूक्रेन और उसके सहयोगी देशों ने पेरिस में एक महत्वपूर्ण बैठक की थी।

■ रूस ने बैलिस्टिक मिसाइलों से किया हमला, एयर डिफेंस सक्रिय।

■ यह हमला पेरिस बैठक और नए रक्षा गठबंधन के बाद हुआ।

बढ़ोतरी : जून में थोक महंगाई 9.81%, 44 महीने में सबसे ज्यादा रिटेल महंगाई भी 6 महीने से लगातार बढ़ रही

खाने-पीने और रोजाना जरूरत के सामान महंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

जून में थोक महंगाई (WPI) बढ़कर 9.87% पर पहुंच गई है। यह पिछले महीने 9.68% पर थी। जून में महंगाई 44 महीने में सबसे ज्यादा है। सितंबर 2022 में ये 10.70% पर पहुंच गई थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 14 जुलाई को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं।

महंगाई बढ़ने की वजह रोजमर्रा की जरूरत के सामान और खाने-पीने की चीजों का महंगा होना है। अमेरिका और ईरान के बीच फरवरी से चल रहा तनाव कम नहीं हुआ तो इसके दामों में और इजाफा हो सकता है। इससे पहले कल रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी हुए थे। रिटेल महंगाई भी लगातार छठे महीने बढ़कर 4.38% पर पहुंच गई है।

आलू-अदरक समेत खाने-पीने की चीजों के दाम फिर बढ़ने से रिटेल महंगाई लगातार छठे महीने बढ़ी है। जून में यह 4.38% पर पहुंच गई है। जनवरी में यह 2.74% थी। वहीं एक महीने पहले मई में 3.93% थी। यानी, यह लगातार छठा महीना है जब महंगाई बढ़ी है। भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (CPI) भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स (WPI) का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है। महंगाई मापने के लिए अलग-अलग आइटम्स को शामिल किया जाता है। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75%, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 22.62% और फ्यूल एंड पावर 13.15% होती है।

होलसेल प्राइस इंडेक्स का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए WPI को कंट्रोल कर सकती है।

जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। WPI में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

प्राइमरी आर्टिकल, जिसका वेटेज 22.62% है। फ्यूल एंड पावर का वेटेज 13.15% और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट का वेटेज सबसे ज्यादा 64.23% है। प्राइमरी आर्टिकल के भी चार हिस्से हैं।

होर्मुज में यूएई के टैंकरों पर ईरान का हमला

एक भारतीय की मौत आठ अन्य घायल

तेहरान, एजेंसी

संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि होर्मुज में यूएई के झंडे वाले दो टैंकरों पर ईरानी क्रूज मिसाइलों से किए गए हमले में चालक दल के एक भारतीय सदस्य की मौत हो गई है। इस हमले में आठ अन्य सदस्य घायल भी हुए हैं, जिनमें से चार की हालत गंभीर है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक आधिकारिक बयान में मंत्रालय ने बताया कि ओमान के जलक्षेत्र में होर्मुज जलडमरूमध्य के दक्षिणी लेन में मोम्बासा और बाहिया नामक टैंकरों को निशाना बनाया गया। मंत्रालय के अनुसार, घायलों में छह भारतीय नागरिक और दो यूक्रेनी नागरिक शामिल हैं। बयान में कहा कि इस हमले के परिणामस्व-रूप टैंकर मोम्बासा के चालक दल के एक भारतीय सदस्य की जान चली गई और 8 अन्य लोग घायल हो गए। इनमें 4 लोगों को गंभीर चोटें आई हैं, जिसमें घायलों में 6 भारतीय नागरिक और 2 यूक्रेनी नागरिक हैं।

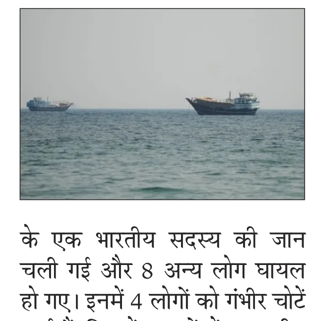

मंत्रालय ने यह भी बताया कि मिसाइल हमलों के कारण दोनों जहाजों में आग लग गई थी, लेकिन बाद में उस पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। यूएई ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। इसे गंभीर उल्लंघन और अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन बताते हुए क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा करार दिया है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676